

इतिहास [History]

- वेदों के ऋषि व वर्णन :
ऋग्वेद – होतृ – समाज के चार वर्ण
यजुर्वेद – अध्वर्यू – यजों के मंत्र
सामवेद – उद्गात्रि – यजों के गीत
अथर्ववेद – unknown – जादू टोना , चिकित्सा
- विदेशी लेखक :
यूनानी रोमन – हेरोडोटस , मेगस्थनीज, प्लिनी
चीनी लेखक – फहियान , ह्वेनसांग
अरबी लेखक – अलबरूनी , इब्नबतूता
- सर्वप्रथम भारतवर्ष का जिक्र हाथीगुम्फा अभिलेख में है।
हाथीगुम्फा अभिलेख – कलिंग राजा खारवेल
जूनागढ़ अभिलेख – रुद्रदामन
एहोल अभिलेख – पुलकेशीन ॥

- मन्दिर :
(उत्तर भारत – नागर शैली)
(दक्षिण भारत – द्रविड़ शैली)
\$ कंदारिया महादेव मंदिर , लक्ष्मण मंदिर – खजुराहो
\$ ब्रह्मेश्वर मंदिर , लिंगराज मंदिर – भुवनेश्वर
\$ दशावतार मंदिर – देवगढ़
\$ गौडेश्वर मंदिर – महाराष्ट्र

- सिंधु घाटी सभ्यता : -- आदय ऐतिहासिक

- खोज व खुदाई – रायबहादुर साहनी
- घोषणा – जॉन मार्शल 1924
- धार्मिक – मातृदेवी , पशुपति शिव
- समाज – मातृसत्तात्मक , समतावादी
- व्यवसाय – व्यापार (फारस ईरान)
- अर्थव्यवस्था – कृषि (कपास – प्रथम बार)

- प्रमुख शहर :

1. हड़प्पा : ताबूत , हाथी की खोपड़ी , स्वास्तिक चिन्ह । रावी नदी किनारे
2. मोहनजोदरो : अन्नागार , स्नानागार , कांसे की नचनिया , पशुपति शिव।
3. चनहूदड़ो : Make Up सामान , दुर्गविहीन , cat dog , सुई धागा , सिंधु नदी।
4. बनवाली : टेढ़ी मेढ़ी सड़के ।
5. कालीबंगा : हल , चूड़ी , खेती , अलंकृत ईंट।
6. सुरकोटदा : बंदरगाह , घोड़ा कंकाल।
7. लोथल : बंदरगाह (गोदीवाड़ा) , फारस मुहर , बाट 16x , भोगवा नदी , युगल शवाधान , दरवाजे सड़को के सामने।
8. रंगपुर : धान की भूँसी।
 - सबसे बड़ा स्थल > धौलावीरा
 - भारत में सबसे बड़ा स्थल > राखीगढ़ी।

म - मांडा (चिनाब नदी)

सम = AD
डच हैं पर

स - सुतकागेंडोर
(दास्क नदी)

आलमगीरपर
(हिंडन नदी)

D – दयामाबाद
(प्रवरा नदी)

- जैन books : आगम , अंग , उपांग , आदिपुराण , सूत्र (भगवती , कल्प , आचारंग)
- बौद्ध books : अंगुत्तर निकाय , जातक , ललित विस्तार , त्रिपिटक (सुत्त , विनय , अभिधम्म)
- महावीर स्वामी :
 - जन्म : 540 BC , वैशाली कुंडग्राम
 - पिता : सिद्धार्थ , माता : त्रिशाला , भाई : नंदीवर्मन , पत्नी : यशोदा
 - ज्ञान प्राप्ति स्थान – जांबिक ग्राम , ऋजुपलिका नदी , साल वृक्ष

- उपदेश – पहला : राजगीर , अंतिम : पावापुरी , भाषा : प्राकृत / अर्ध मागधी
- विश्वास -- भगवान नहीं , मूर्तिपूजा नहीं , पुनर्जन्म हां। • मोक्ष बाधा : आत्मा
- शाखाएं – (i) श्वेतांबर – स्थूलबाहु – श्वेत वस्त्र
(ii) दिगंबर – भद्रबाहु – निर्वस्त्र
- जैन समितियां : (i) 300 BC – पाटलिपुत्र – स्थूलबाहु
(ii) 600 AD – वल्लभी – देवाधिश्मरण

- बौद्ध धर्म :
 - जन्म : 583 BC, लुंबिनी | माता : महामाया | पिता : शुद्धोधन | पत्नी : यशोधरा | बेटा : राहुल
 - ज्ञान – मोक्ष , स्थान – बोध गया , पीपल वृक्ष , फल्गु (निरंजना) नदी।
 - उपदेश – पहला : सारनाथ , अंतिम : कुशीनगर | भाषा : पाली
 - बौद्ध धर्म के त्रिरत्न : बुद्ध , संघ , धम्म। बौद्ध धर्म में मोक्ष की बाधा इच्छा को बताया है।
 - बौद्ध धर्म अपनाने वाली प्रथम महिला प्रजापति गौतमी (मौसी) थी।

- बौद्ध संगीतिया :

स्थान --- सम्राट ----- सन् ----- अध्यक्ष

- (i) राजगीर --- अजातशत्रु --- 483 BC --- महाकाश्यप
- (ii) वैशाली --- कालाशोक --- 383 BC --- साबकमीर
- (iii) पाटलिपुत्र --- अशोक --- 255 BC. --- मोगलीपुत्तिस
- (iv) कुंडलवन – द्वितीय अशोक – 1 AD – वसुमित्र / अश्वघोष

मगध साम्राज्य

TRICK : हशिन मशुक सा

1. **हरयंक वंश** : बिम्बिसार → अजातशत्रु → उदायिन
 - बिम्बिसार की राजधानी राजगृह थी। वह विवाह नीति से राज्य विस्तार करता था। उसके वैद्य का नाम जीवन था।
 - अजातशत्रु अपने पिता की हत्या करके खुद गद्दी पर बैठा। उसने राजगृह की किलाबंदी की। अजातशत्रु का पुत्र उदायिन था।
 - उदायिन ने भी अपने पिता की हत्या की। उसने राजधानी **पाटलिपुत्र** को बनाया।
 - हरयंक वंश का अंतिम शासक नागदशक था। वह एक अयोग्य शासक था जिसे उसके सेनापति शिशुनाग ने मारकर शिशुनाग वंश की स्थापना की।
2. **शिशुनाग वंश** : (i). शिशुनाग : राजधानी → वैशाली | (ii) कालाशोक : राजधानी → पाटलिपुत्र | (iii) नंदीवर्मन : सेनापति → महापद्मनंद
 - **महापद्मनंद** ने नंदीवर्मन की हत्या कर नंद वंश की स्थापना की।
3. **नंद वंश** : (i) महापद्मनंद → जाति शुद्र , उपाधि : सर्व क्षत्रांतक , युद्ध : कलिंग का प्रथम युद्ध।
(ii) **धनानंद** → यह अत्यंत क्रूर तथा अहंकारी राजा था। सिकंदर इसी के कार्यकाल में भारत आया था।

सिकंदर

- 326 BC में भारत आया था तथा उस समय पंजाब के राजा पोरस पर हमला किया।
- उसका सेनापति सेल्युकस निकेटर था जिसने सिकंदर के लौटने के बाद भी वापस आकर मगध पर हमला किया जिसमें वह चंद्रगुप्त मौर्य से हार गया।
 - घोड़ा → बुकेफराल | पिता → फिलिप | देश → मेसिडोनिया

4. **मौर्य वंश** : चंद्रगुप्त मौर्य → बिंदुसार → अशोक
 - चंद्रगुप्त मौर्य जैन था , उसने सहगौर अभिलेख लिखवाया। उसकी मृत्यु श्रवणवेलगोला में हुई।
 - बिंदुसार ने सीरियन नरेश से अंजीर , मीठी शराब और एक दार्शनिक की मांग की।
 - **सम्राट अशोक** : (राज्याभिषेक : 269 BC)
 - राज्याभिषेक के आठवें वर्ष **कलिंग आक्रमण** किया। 10वें वर्ष बौद्ध धर्म का प्रचार करने गया गए। 20वें वर्ष लुंबिनी।
 - अभिलेखों की भाषा : ब्राह्मी , खरोष्टी , अर्माइक , तथा ग्रीक है। केवल राजस्थान के भब्रू अभिलेख में अशोक ने अपना पूरा नाम लिखा है।

- कौशांबी अभिलेख में अशोक की पत्नी कारुबाकी का वर्णन है।
- अशोक के 14 अभिलेख :
 1. अहिंसा , 2. पशु चिकित्सा एवं दक्षिण भारत के राज्य (चोल को छोड़कर) , 3. तीन अधिकारियों की चर्चा → राजुक , युक्तक , प्रादेशक।
 4. भैरीघोष के स्थान पर धम्मघोष। | 5. धम्म महामात्र। 7. सबसे बड़ा अभिलेख। | 8. धम्म यात्रा - 10वे वर्ष गया & 20वे वर्ष - लुंबिनी। 12. स्त्री महामात्र । 13. कलिंग युद्ध
- 5. **शुंग वंश** : इसमें एक ही प्रतापी राजा हुआ - पुष्यमित्र शुंग , जिसने बौद्ध धर्म को काफी नुकसान पहुंचाया। इसके समय में दो यवन आक्रमण हुए थे → डेमीट्रियस एवं मीनांडर , दोनों को इसने हरा दिया। पुष्यमित्र ने दो अश्वमेध यज्ञ कराए जिसके पुरोहित पतंजलि थे।
- 6. **कण्व वंश** : इस वंश का अंतिम राजा सुशर्मा था।
- 7. **सातवाहन वंश** : पहले महाराष्ट्र में , बाद में आंध्र प्रदेश। संस्थापक - सिमुक। इस वंश का सबसे प्रतापी राजा गौतमी पुत्र सातकर्णी था। आगे चलकर यह वंश शकों से विवाह संबंध द्वारा मिल गया। **विशेषताएं** : मातृसत्तात्मक समाज , सीसा (Lead) के सिक्के चलाए , वेतन के स्थान पर भूदान (सामंती व्यवस्था)।

भारत पर विदेशी आक्रमण

I • S • P • K

1. **Indo Greek (हिंद - यूनानी)** : इन्होंने भारत को सोने का सिक्का , ज्योतिष शास्त्र , & गणित की देन दी है।
2. **शक शासक** :
 - राजा को क्षत्रप कहा जाता था।
 - सबसे प्रतापी राजा रुद्रदामन था जिसने सातवाहन को हराया था।
 - रुद्रदामन ने जूनागढ़ अभिलेख बनवाया था जो पहला संस्कृत अभिलेख था। इसमें चंद्रगुप्त मौर्य के पश्चिम तक शासन तथा उनके द्वारा निर्मित सुदर्शन झील का विवरण है।
3. **पहलव वंश** : इनके शासनकाल में भारत में ईसाई धर्म प्रचारक आए।
4. **कुषाण** : मध्य एशिया से आए शैव धर्मी। इसका संस्थापक **कुडुल कडफिसस** था जिसका पुत्र **विंग कडफिसस** था तथा उसका पुत्र **कनिष्क** था। कनिष्क ने चीन के रेशम मार्ग पर कब्जा कर लिया था। इसके दरबार में बड़े बड़े विद्वान जैसे **वसुमित्र , अश्वघोष , अमरदास , वराहमिहिर , पार्श्व , चरक , नागार्जुन** आदि थे।

गुप्त वंश

(भारतीय इतिहास का स्वर्णकाल)

ये कुषाणों के सामंत थे। इसके संस्थापक **श्रीगुप्त** थे जो राजा नहीं बने इसलिए वास्तविक संस्थापक उसका पुत्र **चंद्रगुप्त प्रथम** था। इनका शासन उत्तर प्रदेश के कौशांबी क्षेत्र में था।

- **समुद्रगुप्त** : यह सबसे प्रतापी राजा था। इसे **लिच्छवी दौहित्र** भी कहा जाता है। अन्य उपनाम - भारत का नेपोलियन , धरणीबंध (उत्तर और दक्षिण को जीतने के कारण) , कविराज। इसने **मयूर शैली** के सिक्के चलवाए और **प्रयाग प्रशास्त्री** अभिलेख लिखवाया ।
- **चंद्रगुप्त II (विक्रमादित्य)** : इसने अपनी भाभी के साथ ही विवाह किया तथा भाई को मार डाला। **चंद्रगुप्त II** को सबसे न्यायवादी राजा कहा जाता है। इसी के समय चीनी यात्री फाहयान भारत आया जिसने **फो - क्यू - की** नामक पुस्तक लिखी। इसके दरबार में ही **कालिदास** और **धनवंतरी** रहते थे ।
कालिदास की कृतियां : अभिज्ञान शाकुंतलम् , विक्रमोर्वशी , ऋतु संहार , पार्वती परिणय , मालिकाग्निमित्र आदि।
- **कुमारगुप्त** : इसने **नालंदा विश्वविद्यालय** बनवाया जो बौद्ध धर्म की महायान शाखा का ऑक्सफोर्ड कहलाता है।
- गुप्त काल में **अजंता** तथा **बाग** की गुफाएं बनीं। **हुंड** के आक्रमण से गुप्त वंश का अंत हुआ ।

गुप्त वंश के बाद वर्धन वंश ने राज किया जिसका प्रतापी राजा हर्षवर्धन था। इसके समय में ही शशांक नामक एक राजा ने बोधी वृक्ष काटवा दिया था।

संगम युग

दक्षिण भारत के साम्राज्य



100 ई - 300 ई. तक दक्षिण भारत में तीन संगम हुए :

- (i) दक्षिण मद्रुरै - अध्यक्ष - अगस्त्य मुनि
- (ii) कपाटपुरम - अध्यक्ष - तोलकापियम
- (iii) उत्तरी मद्रुरै - अध्यक्ष - नक्कीयर

- आज केवल कपाटपुरम का साहित्य ही बचा है।
- कुराल - तमिल साहित्य की बाइबल।
- अगस्त्य मुनि - तमिल साहित्य के जनक
- तोलकापियम की पुस्तक - तोलकापियर

पहले चोल, चेर तथा पांड्या धीरे धीरे विलुप्त हो गए। उसके बाद करीब 400 वर्ष बाद चोल वंश का दूसरे चरण के रूप में उदय हुआ, जिसने सबसे प्रतापी राजा राजेंद्र चोल था जिसने इंडोनेशिया तक को जीता।

चोल दूसरा चरण :

संस्थापक : विजयालय

- राज राज ने श्रीलंका पर हमला करके मामुंडी चोल की उपाधि धारण की।
- सबसे प्रतापी राजा राजेंद्र प्रथम था जिसने पल शासक महिपाल को हराया। उसके समय नौसेना भी काफी प्रबल थी।

राष्ट्रकूट वंश :

संस्थापक : दंतीदुर्ग

- इस वंश के प्रसिद्ध शासक कृष्ण । ने एलोरा का प्रसिद्ध कैलाश मंदिर बनवाया।
- हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद कन्नौज पर तीन ओर से आक्रमण हुआ → पश्चिम : प्रतिहार वंश, पूर्व : पाल वंश, तथा दक्षिण : राष्ट्रकूट। इसमें प्रतिहार वंश विजयी एवं वापस जाने पर पाल वंश पर सेन वंश का अधिकार हो गया तथा राष्ट्रकूट पर चालुक्य का।

चालुक्य वंश : इसने तीन चरणों में शासन किया जिनमें उनकी राजधानी क्रमशः वातापि, कल्याणी एवं बैंगी थी। इनमें केवल प्रथम चरण वाले चालुक्य ही मजबूत थे।

पल्लव वंश : इसके संस्थापक सिंह विष्णु थे। इस वंश ने चोलों के दो चरणों के बीच वाली समय में राज किया।

प्रतिहार वंश : प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट था। त्रिपक्षीय युद्ध में जीतने के बाद कन्नौज को ही इसने अपनी राजधानी बनाया।

पाल वंश : इस वंश के संस्थापक गोपाल थे तथा राजधानी मुंगेर थी। क्षेत्र बंगाल।

राजपूत राजवंश का उदय

1. गुर्जर - प्रतिहार वंश :

- दिल्ली नगर की स्थापना तोमर नरेश अनंगपाल ने की थी।
- इस वंश का संस्थापक नागभट्ट था , तथा सबसे प्रतापी राजा मिहिरभोज था एवं अंतिम शासक यशपाल था।
TRICK – गुर्जर ने नाग को भोजन कराके यश प्राप्त किया।

2. चौहान वंश :

- इस वंश का संस्थापक वासुदेव था तथा सबसे प्रतापी राजा गोविंदचंद्र था और अंतिम राजा जयचंद था जिसे गौरी ने 1194 ई. में चंदावर युद्ध में मार डाला।
- पृथ्वीराज III ने जयचंद की पुत्री संयोगिता का अपहरण किया।

3. परमार वंश :

- इस वंश का संस्थापक उर्पेद्रराज था तथा सबसे शक्तिशाली शासक राजा भोज था।
- परमार वंश के बाद तोमर वंश का उदय हुआ।

4. चंदेल वंश :

- प्रतिहार वंश के ऊपर स्थापित इस वंश का संस्थापक नन्नूक था और राजधानी पहले कालिंजर थी तथा बाद में खजुराहो ।
- इस वंश का सबसे प्रतापी राजा यशोवर्मन था।
- कंदारिया महादेव मंदिर का निर्माण धंग देव ने 999 ई. में कराया ।
- आल्हा उदल , परमर्दीदेव के दरबार में रहते हैं।

5. चेदी या कल्चुरी राजवंश :

संस्थापक : कोक्कल | राजधानी : कोक्किल | प्रतापी शासक : गांगेदेव

6. सिसोदिया वंश :

- ये अपने को सूर्यवंशी कहते थे जो मेवाड़ पर शासन करते थे। (राजधानी - चित्तौड़)
- खतौली का युद्ध → 1518 → राणा सांगा एवं इब्राहिम लोदी ।

मध्यकालीन भारत

मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरबों ने भारत पर पहला सफल आक्रमण किया। उनका उद्देश्य भारत की धन - दौलत लूटना और इस्लाम धर्म का प्रचार करना था।

महमूद गजनी : 998 ई. में भारत की गद्दी पर बैठा , भारत पर 17 बार आक्रमण किया। सोमनाथ मंदिर को लूटा। **सुलतान** की उपाधि धारण करने वाला प्रथम शासक **महमूद गजनी** था।

मुहम्मद गौरी : 1173 में गौर का शासक बना।

युद्ध :

(i)	तराइन I	—	1191	—	गौरी vs पृथ्वीराज	—	पृथ्वीराज
(ii)	तराइन II	—	1192	—	गौरी vs पृथ्वीराज	—	गौरी
(iii)	चंदावर	—	1194	—	गौरी vs जयचंद	—	गौरी

सल्तनत काल



#1. गुलाम वंश :

- इसकी स्थापना मुहम्मद गौरी के गुलाम **कुतुबुद्दीन ऐबक** ने की थी। इसने **कुतुब मीनार** की नींव रखी तथा **अढ़ाई दिन का झोपड़ा** बनवाया।
- **इल्तुतमिश** : 1211 में भारत के सिंहासन पर बैठा , यह राजधानी को **लाहौर** से **दिल्ली** लाया। इसने कुतुब मीनार के निर्माण को पूरा कराया । इल्तुतमिश को **बगदाद का खलीफा** की उपाधि मिली थी।
- **राजिया सुलतान** : यह प्रथम मुस्लिम शासक थी। इसकी शादी **अल्तुनिया** से हुई थी।
- **बलबन** : 1266 ई. में **गियासुद्दीन बलबन** के नाम से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। यह भारत पर मुगलों के आक्रमण को रोकने में सफल रहा। इसके दरबार में **अमीर खुसरो** एवं **अमीर हसन** कवि थे।
नोट - सितार एवं तबले का आविष्कार अमीर खुसरो ने किया था।

#2. खिलजी वंश :

- 1290 ई. में **जलालुद्दीन खिलजी** ने इस वंश की स्थापना की थी।
- 1296 ई. में **अलाउद्दीन खिलजी** दिल्ली का सुलतान बना। इसने सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा शुरू की थी तथा उन्हें नकद वेतन भी अलाउद्दीन खिलजी ने ही देना शुरू किया। यह भूराजस्व में **उपज का 1/2 भाग** लेता था। इसने दो नए कर **चराई कर** एवं **गढ़ी कर** की भी शुरुआत की।
- **मुबारक खिलजी** : यह नग्न स्त्री व पुरुष का साथ पसंद करता था । इसने **खलीफा** की उपाधि धारण की। इसके वजीर **खुसरो खां** ने इसकी हत्या कर दी।

#3. तुगलक वंश :

- **ग्यासुद्दीन तुगलक** : 1320 ई. में ग्यासुद्दीन तुगलक ने खुसरो खां को पराजित किया और दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। यह **नहरों** का निर्माण करने वाला प्रथम शासक था इसने **तुगलकाबाद** नगर की स्थापना की थी।
- **मुहम्मद बिन तुगलक** : यह सल्तनत काल का सर्वाधिक शिक्षित , योग्य , एवं विद्वान शासक था। इसने कृषि विकास के लिए **अमीर - ए - कोही** नामक विभाग बनाया। **इब्न बतूता** की पुस्तक **रेहला** में इसका वर्णन है।
- **फिरोजशाह तुगलक** : इसने 22 करोड़ को हटाकर केवल 4 करोड़ कर लिए। इसने ब्राह्मणों से भी **जजिया** कर लिया। इसने 300 नए नगर बसाए।

#4. सैय्यद वंश :

- इस वंश का संस्थापक **खिज़्र खां** था , जिसने कभी सुलतान की उपाधि धारण नहीं की थी।
- इसके बाद इसका पुत्र **मुबारक शाह** शासन का उत्तराधिकारी बना जिसने **यमुना** कनारे **मुबारकबाद** नगर की स्थापना की।

#5. लोदी वंश :

- **बहलोल लोदी** : 1451 में इसने लोदी वंश की स्थापना की। इसे प्रथम अफगान राज्य का श्रेय दिया जाता है।
- **सिकंदर लोदी** : इसने **आगरा** को राजधानी बनाया। यह एक **फारसी** कवि था।

TRICK → गुजरात के खिलौने तुम सैनिक लोग खरीदो।

सल्तनत काल की कर व्यवस्था :

- **उश्र** : मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमि कर।
- **खराज** : गैर मुसलमानों से गया जाने वाला भूमि कर।
- **जकात** : मुसलमानों पर धार्मिक कर।
- **जजिया** : गैर मुसलमानों पर धार्मिक कर।

मुगल साम्राज्य



1. बाबर : [1526 - 1530] →

- बाबर के पिता **उमर शेखमिर्जा फरगाना** नामक छोटे राज्य के शासक थे।
- बाबर ने 1507 ई. में **बादशाह** की उपाधि धारण की।
- बाबर को **कलंदर** की उपाधि उसके नेक दिल होने के कारण मिली थी।

बाबर द्वारा लड़े गए युद्ध :

युद्ध	वर्ष	पक्ष	विजेता
पानीपत का प्रथम युद्ध	1526	इब्राहिम लोदी एवं बाबर	बाबर
खानवा का युद्ध	1527	राणा सांगा एवं बाबर	बाबर
चंदेरी का युद्ध	1528	मेदनी राय एवं बाबर	बाबर
घाघरा का युद्ध	1529	अफगानों एवं बाबर	बाबर

2. हुमायूँ : [1530 - 1556] →

- 29 दिसंबर 1530 में आगरा के सिंहासन पर बैठने से पहले वह **बड़ाखशा** का सूबेदार था।

- 25 जून 1539 को चौसा के युद्ध में शेर खां ने हुमायूँ को हराकर शेरशाह की उपाधि धारण की।
- 17 मई 1540 में बिलग्राम युद्ध में शेरशाह ने हुमायूँ को हराकर दिल्ली का शासन ग्रहण किया।
- 1 जनवरी 1556 को पुस्तकालय की सीढ़ी से गिरकर हुमायूँ की मृत्यु हो गई।
- हुमायूँनामा की रचना गुलबदन बेगम ने की।

3. शेरशाह सूरी : [1540 - 1545] →

- इसके बचपन का नाम फरीद खां था , यह सूर वंश से संबंधित था।
- तलवार के एक वार से शेर को मारने के कारण अफगान शासक सुलतान मुहम्मद बहार खां ने उसे शेर खां की उपाधि दी।
- शेरशाह की मृत्यु कालिंजर किले को जीतते हुए हुई।
- शेरशाह ने ही भारत में रुपए का प्रचलन किया।

4. अकबर : [1556 – 1605] →

- अकबर का जन्म 15 अक्टूबर 1542 को अमरकोट में हुआ।
- बैरम खां अकबर का अंगरक्षक था जिसे प्यार से खानी बाबा बुलाते थे।
- पानीपत की दूसरी लड़ाई अकबर और हेमू के बीच 1556 में हुई।
- हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 ई. में महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हुआ था।
- दीन - ए - इलाही धर्म का प्रधान पुरोहित अकबर था।
- अकबर ने दासप्रथा , जजिया कर , तीर्थयात्रा कर आदि को समाप्त किया।
- मृत्यु - 16 अक्टूबर 1605 | अकबरनामा - अबुल फजल
- अकबर ने अनुवाद विभाग की स्थापना की तथा बुलंद दरवाजा बनवाया।

5. जहांगीर : [1605 – 1627] →

- अकबर का पुत्र सलीम 1605 ई. में जहांगीर की उपाधि से गद्दी पर बैठा।
- जहांगीर के पुत्र खुसरो ने जहांगीर के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया , इस युद्ध में खुसरो का साथ देने के कारण सिक्खों के 8वें गुरु अर्जुनदेव को जहांगीर ने फांसी दे दी।
- जहांगीर की पत्नी नूरजहां थी जिसका वास्तविक नाम मेहरुन्निसा था। जहांगीर के समय मुगल चित्रकला अपने चरमोत्कर्ष पर थी।

6. शाहजहां : [1627 – 1657] →

- शाहजहां के बचपन का नाम खुर्रम था। 1628 को वह आगरा के सिंहासन पर बैठा।
- उसने नूरजहां को ₹ 2 लाख प्रति वर्ष की पेंशन देकर लाहौर जाने दिया जहां 1645 में उसकी मृत्यु हो गई।
- ताजमहल के मुख्य स्थापत्य कलाकार उस्ताद अहमद लाहौरी थे। शाहजहां के शासनकाल को स्थापत्य कला का स्वर्णकाल कहा जाता है ।
- शाहजहां के पुत्रों में दारा शिकोह विद्वान था , जो धर्म के युद्ध में औरंगजेब से हार गया था। शाह बुलंद इकबाल के रूप में दारा शिकोह जाना जाता है।
- 8 जून 1658 को औरंगजेब ने शाहजहां को बंदी बना लिया।

7. औरंगजेब : [1658 – 1707] →

- औरंगजेब का जन्म गुजरात के दोहाद नामक स्थान पर हुआ था , उसकी शादी दिलरास बानो बेगम से हुई।
- औरंगजेब के गुरु मीर मुहम्मद हकीम थे। औरंगजेब सुन्नी धर्म को मानता था , उसे जिंदा पीर कहते थे।
- औरंगजेब ने शिवाजी को जयपुर भवन में कैद रखा तथा सिक्खों के 9वें गुरु तेग बहादुर की हत्या इस्लाम धर्म न अपनाने के कारण कर दी। इसने जजिया कर को पुनः लागू किया।
- औरंगजेब के शासनकाल में हिंदू मनसबदारों की संख्या सर्वाधिक थी।
- इसने सोमनाथ मंदिर , विश्वनाथ मंदिर , केशव राय मंदिर आदि को तुड़वा दिया।

- मुगलकाल में मंत्रिपरिषद को विजारत कहा जाता था।
- शाहजहां ने आना सिक्को का प्रचलन कराया।
- अर्थव्यवस्था का आधार चांदी का सिक्का था।

मराठे का उत्कर्ष

मराठा साम्राज्य के संस्थापक **शिवाजी** थे जिनका जन्म 6 अप्रैल 1627 में **शिवनेर दुर्ग** में हुआ था। शिवाजी के पिता का नाम **शाहजी भोसले** एवं माता का नाम **जीजाबाई** था। शिवाजी का विवाह **साइबाई निंबालकर** से हुआ। सर्वप्रथम शिवाजी ने **तोरण** नामक पहाड़ी किले पर अधिकार किया। **पुरंदर की संधि** 1665 ई. में **महाराजा जयसिंह** एवं **शिवाजी** के मध्य संपन्न हुई थी। इनके मंत्रिमंडल को **अष्टप्रधान** कहा जाता था।

शिवाजी की सेना के तीन महत्वपूर्ण भाग थे - **पागा सेना** (नियमित घुड़सवार सैनिक) , **सिलहदार** (अस्थाई घुड़सवार सैनिक) एवं **पैदल सेना**।

उस समय के महाराष्ट्र के प्रमुख संत **ज्ञानदेव** या **ज्ञानेश्वर** , **नामदेव** , **एकनाथ** , **तुकाराम** , **रामदास** थे।

शिवाजी का उत्तराधिकारी **संभाजी** था। 1689 में संभाजी को **मुखरंब खां** ने गिरफ्तार कर लिया और उसकी हत्या कर दी।

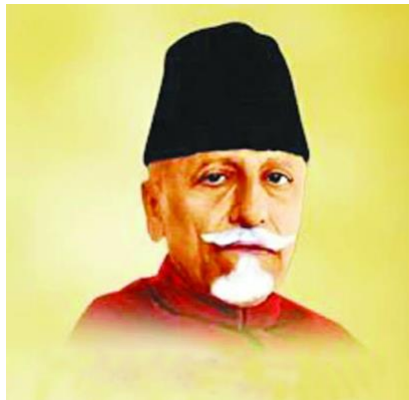
संभाजी के बाद **राजाराम** नया छत्रपति बना जिसने अपनी दूसरी राजधानी **सतारा** को बनाया। परंतु वो भी 1700 ई. में मुगलों से संघर्ष करता हुआ मारा गया। उसके बाद उसकी पत्नी **ताराबाई** ने अपने 4 वर्षीय पुत्र **शिवाजी II** का राज्याभिषेक किया और खुद संरक्षिका बनीं। **साहू** एवं **ताराबाई** के बीच 1707 को **खेड़ा का युद्ध** हुआ जिसमें साहू की विजय हुई और **पेशवा** पद शुरू हुआ। **दिल्ली** पर आक्रमण करने वाला प्रथम पेशवा **बाजीराव I** था। वह **मस्तानी** नामक महिला से प्रेम करने के कारण प्रसिद्ध था। उसकी मृत्यु के बाद नया पेशवा **बालाजी बाजीराव** बना जिसे **नाना साहेब** के नाम से भी जाना जाता है।

प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध : 1782 में सीलाबाई संधि के साथ खत्म हुआ।

द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध : 1803 – 1805 में हुआ तथा **देवगांव की संधि** के साथ समाप्त हुआ।

तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध : 1817 – 1819 तक हुआ , जिसमें पेशवा के पद को समाप्त कर दिया गया। और बाजीराव द्वितीय को पेंशन पर जीने के लिए **बिदूर** भेज दिया गया।

आधुनिक भारत



भारत में आने वाला पहला अंग्रेजी जहाज **रेड ड्रैगन** था तथा मुगल दरबार में आना वाला प्रथम अंग्रेज **कैप्टन हॉकिन्स** था जो जहांगीर के दरबार में आया था।

भारत में आने वाले समुद्री मार्ग की खोज **वास्को डी गामा** ने की जो 1498 ई. में भारत के **कालीकट** बंदरगाह पर आया।

पानीपत का तृतीय युद्ध 1761 ई. में **मराठा** एवं **अहमदशाह अब्दाली** के बीच हुआ जिसमें मराठा की हार हुई।

23 जून 1757 को अंग्रेजों के सेनापति **रॉबर्ट क्लाइव** एवं बंगाल के नवाब **सिराजुद्दौला** के बीच **प्लासी का युद्ध** हुआ जिसमें नवाब अपने सेनापति **मीर जाफर** की धोखाधड़ी के कारण हार गया , और अंग्रेजों ने मीर जाफर को भारत का नवाब बना दिया। इसके बाद **मीर कासिम** बंगाल का नवाब बना जिसने राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थापित किया और वहां पर **हथियार** बनाने का कारखाना स्थापित किया।

1764 ई. के बक्सर के युद्ध में एक ओर अंग्रेजी सेनापति **हेक्टर मुनरो** था तथा दूसरों ओर त्रिपक्षीय शासक - **मीर कासिम**, अवध के नवाब **शुजाउद्दौला** एवं मुगल सम्राट **शाह आलम II** थे। इस युद्ध में अंग्रेजों की विजय हुई तथा लगभग आधे भारत पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया। इसके बाद बंगाल का गवर्नर **रॉबर्ट क्लाइव** बन गया। **रॉबर्ट क्लाइव** ने बंगाल में द्वैध शासन की व्यवस्था की।

वारेन हेस्टिंग्स :

रेगुलेशन एक्ट के तहत बंगाल के गवर्नर को भारत का **गवर्नर जनरल** कहा जाने लगा और इस क्रम में भारत का पहला गवर्नर जनरल **वारेन हेस्टिंग्स** हुआ। इसने **फौजदारी** और **दीवानी** अदालतों की स्थापना की। इसने कलकत्ता में एक मुस्लिम मदरसे की भी स्थापना की। इसने मुगल सम्राट की पेंशन बंद कर दी। इसी के समय में भारत का पहला समाचार पत्र **बंगाल गजट** का प्रकाशन शुरू हुआ। वारेन हेस्टिंग्स के समय ही **पिट्स इंडिया एक्ट** पारित हुआ जिसका उसने विरोध किया तथा अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद **सिर जॉन मैकफर्सन** को अस्थाई गवर्नर जनरल नियुक्त किया गया।

लॉर्ड कार्नवालिस :

इसने पुलिस अधिकारियों के वेतन में वृद्धि की, तथा इसने जमींदारों से भू राजस्व का 90% हिस्सा कंपनी को देने की लिए कहा। कार्नवालिस को भारत के **नागरिक** सेवा का जनक माना जाता है।

लॉर्ड वेलेजेली :

इसने सहायक संधि की पद्धति अपनाई। इसने 1800 ई. में **फोर्ट विलियम कॉलेज** की स्थापना की। यह स्वयं को **बंगाल के शेर** कहता था।

लॉर्ड मिंटो प्रथम : इसी के समय 1813 में भारत में चार्टर एक्ट पारित हुआ।

लॉर्ड हेस्टिंग्स : इसके समय पिंडरियों का दमन कर दिया गया एवं अंग्रेजों और गोरखों के बीच चल रहे युद्ध का **संगोली की संधि** द्वारा अंत हुआ। इसने प्रेस पर लगे प्रतिबंध को हटाया।

लॉर्ड विलियम बेंटिक :

1833 के चार्टर एक्ट द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया और इस प्रकार यह पहला भारत का गवर्नर जनरल बना। **राजा राम मोहन राय** की सहायता से इसने **सती प्रथा** का अंत किया इसी के समय अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की शुरुआत हुई।

- **चार्ल्स मेटकॉफ** को भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता कहा गया।
- **लॉर्ड ऑकलैंड** ने भारतीय को डॉक्टर की शिक्षा के लिए विदेश जाने की अनुमति दी।
- **लॉर्ड एलिंबेरो** के समय **दस प्रथा** का अंत हुआ।

लॉर्ड डलहौजी :

इसने सिक्किम पर अधिकार कर लिया। इसी प्रकार इसने अनेक साम्राज्य को अंग्रेजी साम्राज्य में विलीन कर लिया। डलहौजी ने भारत की शिक्षा नीति में भी सुधार किया। इसने तोपखाने के मुख्यालय को **कोलकाता** से **मेरठ** स्थानांतरित किया। डलहौजी के समय में ही भारत में **प्रथम रेल 16 अप्रैल 1853** में बॉम्बे से ठाणे तक चली। 1854 में भारत में पहली बार **डाक टिकट** का प्रचलन हुआ। इसने **शिमला** को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया। 1853 में अधिकारियों की नियुक्ति के लिए **प्रतियोगी परीक्षाओं** का प्रचलन हुआ।

लॉर्ड कैनिंग :

यह अंतिम गवर्नर जनरल तथा प्रथम **वायसरॉय** था। इसके समय ही **1857 की महान क्रांति** हुई जिसके बाद भारत का शासन कंपनी के हाथों से ब्रिटिश सरकार के हाथों में चला गया। कैनिंग के समय में ही पुरानी अदालतों को समाप्त कर **उच्च न्यायालय** स्थापित हुए। इसी के समय में **विधवा पुनर्विवाह** अधिनियम स्वतंत्र रूप से लागू हुआ। इसके समय **महालेखा परीक्षक** के पद का सृजन हुआ। इसने राज्य विलय की नीति को समाप्त कर दिया।

- **लॉर्ड नॉर्थबुक** के कार्यकाल में बंगाल में भयानक अकाल पड़ा तथा पंजाब में **कूका आंदोलन** हुआ। इसी के समय में **स्वेज नहर** खुल जाने के कारण भारत यूरोप व्यापार आसान हो गया।

लॉर्ड लिटन : इसके समय बंबई, मद्रास, हैदराबाद, पंजाब, मध्य भारत आदि में बुयानक अकाल पड़ा। जिसके बाद उसने अकाल आयोग की नियुक्ति की। इसने

वर्नाकुलर एक्ट पारित करके भारतीय प्रेस के लिए कठोर कानून बना दिए।

लॉर्ड रिपन : इसने लॉर्ड रिपन द्वारा लगाए गए प्रेस एक्ट को समाप्त कर दिया। इसने सिविल सेवा की आयु 19 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दी। सबसे पहले जन गणना भी इसी के समय हुई। इसके द्वारा 1881 में **प्रथम कारखाना अधिनियम** लाया गया।

- **लॉर्ड डफरिन** के समय 28 दिसंबर 1885 को **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** की स्थापना हुई।

लॉर्ड कर्जन :

इसने अंग्रेजी स्वर्ण मुद्रा को भारत की कानूनी मुद्रा घोषित किया। 1904 में विश्वविद्यालय अधिनियम तथा **सहकारी उधार समिति अधिनियम** लागू किया जिससे किसानों को उचित ब्याज दर पर कर्ज दिया गया। लॉर्ड कर्जन ने **भारतीय पुरातत्व विभाग** की स्थापना की। इसने **1905 ने बंगाल का विभाजन किया।**

- **लॉर्ड चेम्स फोर्ड** के समय कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में **कांग्रेस का एकीकरण** हुआ एवं **मुस्लिम लीग** के साथ समझौता हुआ। इसी के कार्यकाल में सन 13 अप्रैल 1919 ई. में **जलियांवाला बाग हत्याकांड** हुआ एवं 1919 में ही **रोलेक्ट एक्ट** पारित हुआ। **खिलाफत आंदोलन** एवं **गांधीजी का असहयोग आंदोलन** इसी के समय हुआ।
- **लॉर्ड रीडिंग** के समय 1921 में **मोपला विद्रोह** एवं **भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी** का गठन हुआ। **5 फरवरी 1922** में घाटी चौरी - चौरा कांड की घटना के बाद गांधीजी ने असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया। 1923 में **चित्तरंजन दास** एवं **मोतीलाल नेहरू** ने **स्वराज्य पार्टी** की स्थापना की।

लॉर्ड इरविन :

3 फरवरी 1928 को **साइमन कमीशन** भारत आया। इसके विरोध में **लाला लाजपत राय** की मृत्यु। उनकी मृत्यु के विरोध में **भारतीय क्रांतिकारियों** के द्वारा दिल्ली के असेंबली हाल में बम फेंका। **26 जनवरी 1930** को स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा की गई। **सविनय अवज्ञा आंदोलन** के दौरान **5 मई 1930** को गिरफ्तार कर लिया गया। **12 नवंबर 1930** को लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन आयोजित हुआ। **4 मार्च 1931** को **गांधी - इरविन** समझौता हुआ और सविनय अवज्ञा आन्दोलन को स्थगित कर दिया गया।

- **लॉर्ड वेलिंगटन** के समय द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 7 सितंबर से 1 दिसंबर 1931 तक हुआ। इसमें कांग्रेस का प्रतिनिधित्व **गांधीजी** ने किया। इस सम्मेलन की असफलता के बाद **गांधीजी** ने फिर से सविनय अवज्ञा आन्दोलन **3 जनवरी 1932** को दोबारा प्रारंभ किया। **17 नवंबर 1932** में तृतीय गोलमेज सम्मेलन हुआ जिसमें कांग्रेस ने भाग नहीं लिया।
- कांग्रेस ने केवल द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था।
- **डा. भीम राव अंबेडकर** ने तीनों गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था।

लॉर्ड लिनलिथगो :

पहली बार भारत में चुनाव हुआ और कांग्रेस 11 में से 8 प्रांतों में जीती। **1 सितंबर 1939** में **द्वितीय विश्वयुद्ध** प्रारंभ हुआ जिसमें भारतीय से पूछे बिना भारतीय सैनिकों को युद्ध में झोंक दिया। **1 मार्च 1939** को **सुभाष चंद्र बोस** ने **फॉरवर्ड ब्लॉक** नमक पार्टी बनाई।

1940 के **लाहौर अधिवेशन** में **पाकिस्तान** की मांग की गई। **मार्च 1942** को **क्रिप्स मिशन** भारत आया जिसे कांग्रेस एवं **मुस्लिम लीग** दोनों ने अस्वीकार कर दिया।

9 अगस्त 1942 को कांग्रेस ने **भारत छोड़ो आंदोलन** प्रारंभ किया जिसे **अगस्त क्रांति** के नाम से भी जाना जाता है। 1943 में बंगाल में भयानक अकाल पड़ा।

लॉर्ड वेवेल :

वेवेल को 25 जून 1945 के **शिमला सम्मेलन** में बुलाया गया जिसमें कांग्रेस का प्रतिनिधित्व **अबुल कलाम आजाद** ने किया। **कैबिनेट मिशन 1946** में भारत आया जिसमें तीन सदस्य थे - **स्टीफोर्ड क्रिप्स**, **पैथिक लॉरेंस**, **ए. बी. अलेक्जेंडर**।

इंग्लैंड के प्रधानमंत्री जिनका संबंध **लेबर पार्टी** से था, ने 20 फरवरी 1947 में यह घोषणा की कि जून 1948 तक प्रभुसत्ता भारत के हाथ में दे देंगे।

लॉर्ड माउंटबेटन :

भारत की सत्ता को हस्तान्तरित करने के लिए **लॉर्ड माउंटबेटन** को 3 जून 1947 को गवर्नर जनरल बनाया जिसमें भारत का विभाजन भी शामिल था। **15 अगस्त 1947** को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्र भारत के प्रथम एवं अंतिम गवर्नर जनरल **सी राजगोपालाचारी** थे।

अंग्रेजों के विरुद्ध महत्वपूर्ण विद्रोह :

आंदोलन	नेतृत्व	प्रभावित क्षेत्र	समय
सन्ध्यासी विद्रोह	केना सरकार	बिहार , बंगाल	1760 - 1800
रामोसी विद्रोह	चित्तर सिंह	पश्चिमी घाट	1822 - 1829
पगलपंथी विद्रोह	टीपू	असम	1825 - 1827
अहोम विद्रोह	गोमधर कुंवर	असम	1828
बहावी आंदोलन	सैय्यद अहमद तूतीमीर	बिहार , उत्तर प्रदेश	1831
नील विद्रोह	तिरत सिंह	बंगाल , बिहार	1854 - 1862

1857 की महान क्रांति :

1856 में अंग्रेजों ने एनफील्ड राइफल सेना को दी जिसके कारतूस में गाय और सुअर की चर्बी थी तथा उसे मुंह से खोलना पड़ता था। यही क्रांति का प्रमुख कारण बना। 29 मार्च 1857 को मंगल पांडे के कारतूस को खोलने से इंकार करने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया तथा 8 अप्रैल 1857 को उसको फांसी दे दी गई।

क्रांति के प्रमुख केंद्र :

केंद्र	भारतीय नायक	ब्रिटिश रक्षक
दिल्ली	बहादुरशाह जफर , बख्त खां	निकोलसन(मारा गया) एवं हडसन
कानपुर	नाना साहब एवं तांत्या टोपे	कैपबेल
लखनऊ	बेगम हजरत महल	हेनरी लॉरेस एवं कैपबेल
इलाहाबाद	लियाकत अली	कर्नल नील
झांसी	रानी लक्ष्मीबाई	ह्यूरोज
फैजाबाद	मौलवी अहमद उल्ला	कर्नल नील
जगदीशपुर	कुंवर सिंह	विलियम टेलर एवं विंसेंट आयर
बरेली	खान बहादुर खां	हडसन
फतेहपुर	अजीमुल्ला	जनरल रेनार्ड

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण तथ्य :

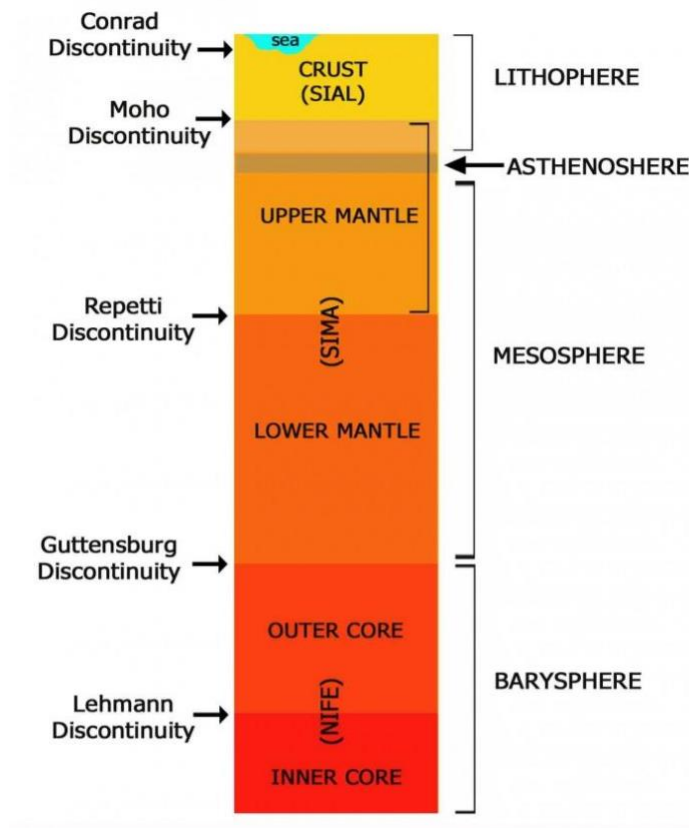
- 1893 में स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका के शिकागो शहर में भाषण दिया जिसमें उन्होंने अमेरिका के भाईयो और बहनों से शुरुआत की।
- प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस ने 30 अप्रैल 1908 को मुजफ्फरपुर के जज किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयत्न किया परंतु बम गलती से केनेडी की गाड़ी पर जा गिरा जिसमें दो महिलाओं की मृत्यु हो गई तथा चाकी ने आत्महत्या कर ली और खुदीराम बोस को फांसी हो गई।
- बाल गंगाधर तिलक ने 28 अप्रैल 1916 को पूना में तथा ऐनी बेसेंट ने मद्रास में होमरूल लीग की स्थापना की।
- 1916 में गांधीजी ने अहमदाबाद के निकट साबरमती आश्रम की स्थापना की।
- बिहार के एक किसान नेता राजकुमार शुक्ल ने गांधीजी को चंपारण आने का निमंत्रण दिया। वह गांधीजी ने 1917 के अपना पहला भारतीय सत्याग्रह किया।
- 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ , उस समय पंजाब का गवर्नर माइकल ओ डायर था।
- 19 अक्टूबर 1919 को समूचे देश में खिलाफत दिवस मनाया गया।
- 23 नवंबर 1919 को हिंदू और मुसलमानों की एक संयुक्त कांग्रेस हुई जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की।
- रोलैक्ट एक्ट , जलियांवाला बाग हत्याकांड और खिलाफत आंदोलन के उत्तर में महात्मा गांधी ने 1 अगस्त 1920 को असहयोग आंदोलन प्रारंभ किया।
- भगत सिंह ने 1928 में दिल्ली स्थित फिरोजशाह कोटला में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की।
- 9 अगस्त 1925 को 10 व्यक्तियों ने सहारनपुर से लखनऊ जा रही ट्रेन को काकोरी नामक स्थान पर लूटा , जिसे काकोरी काण्ड कहा जाता है।

- साइमन कमीशन 3 फरवरी 1928 को भारत आया जिसे व्हाइट में कमीशन भी कहते हैं।
- 17 दिसंबर 1928 में भगत सिंह ने कप्तान सैंडर्स को गोली मार दी।
- कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज्य का लक्ष्य बनाया।
- तीनों गोलमेज सम्मेलन के समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री जेम्स रैमजे मैकडोनाल्ड था।
- 23 मार्च 1931 को सुखदेव , राजगुरु और भगत सिंह को फांसी पर लटका दिया गया।
- 24 मार्च 1940 को मुहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान की मांग की।
- अक्टूबर 1943 को सुभाष चंद्र बोस को आजाद हिंद फौज का सेनापति बनाया गया।
- महात्मा गांधी को रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार महात्मा कहा था।
- सुभाष चन्द्र बोस को सर्वप्रथम नेताजी एडोल्फ हिटलर ने कहा था।
- वरदोली की महिलाओं की ओर से गांधीजी ने वल्लभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी।
- भारतीय संविधान के निर्माता डा. भीम राव अंबेडकर थे जो संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।
- यरवदा जेल में 24 दिसंबर 1932 को गांधीजी और अंबेडकर के समझौता हुआ जिसके अंतर्गत सांप्रदायिक पंचायत में दलितों के लिए प्रांतीय विधान सभा में पृथक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त कर उनके लिए 71 के स्थान पर 148 स्थान सुरक्षित रखे गए। इस समझौते को पूना पैक्ट के नाम से जाना जाता है।

भूगोल [Geography]

पृथ्वी की आंतरिक संरचना :

- भू परपटी (crust) :** यह पृथ्वी का सबसे ऊपरी भाग है। जिसके दो भाग हैं SiAl , तथा SiMa I, सियाल में सिलिकॉन और एल्यूमीनियम होता है तथा सीमा में सिलिकॉन और मैग्नीशियम की बहुलता होती है।
- मेंटल (Mantle) :** यह मुख्यतः बेसाल्ट पत्थरों के समूह की चट्टानों से बना 2900 km मोटा क्षेत्र है। इस परत में मैग्मा चैंबर पाए जाते हैं।
- कोर (core) :** यह निकल तथा फेरस का बना भाग हैं जो पृथ्वी की सबसे निचली परत है। यह पृथ्वी के कुल आयतन का 16% घेरे हुए है।



पृथ्वी पर प्रत्येक 32 m नीचे जाने पर तापमान में 1°C की वृद्धि होती है। पृथ्वी का औसत घनत्व लगभग 5.5 ग्राम / cm^3 तथा त्रिज्या लगभग 6370 km है। सबसे पहले पैथागोरस ने बताया की पृथ्वी गोल है और आकाश में स्वतंत्र रूप से लटकी हुई है।

चट्टान :

चट्टान तीन प्रकार की होती है -

- (i) **आग्नेय चट्टान** : ये लावा या मैग्मा से बनती है। इसके उदाहरण हैं ग्रेनाइट , बेसाल्ट , डायोराइट , ग्रेबो आदि।
- (ii) **अवसादी चट्टान** : पृथ्वी के प्राकृतिक कारकों की वजह से कुछ छोटी छोटी चट्टानें एक साथ मिलकर समय के साथ रसायनिक परिवर्तन द्वारा एक विशाल चट्टान का रूप ले लेती हैं। जैसे बलुआ पत्थर , चूना पत्थर , स्लेट आदि।
- (iii) **कायंतरित चट्टान** : आग्नेय चट्टान एवं अवसादी चट्टान पर जब ताप , दाब , एवं रसायनिक क्रियाओं का प्रभाव पड़ता है तो वह कायंतरित चट्टान का रूप ले लेती है।

भूकंप तरंगे :

- (i) **प्राथमिक अथवा P तरंगे** → ये पृथ्वी के अंदर किसी भी माध्यम से गुजर सकती हैं। ये औसत गति 8 km/sec होती हैं जो दूसरी तरंगों से तेज हैं इसलिए ये तरंगे किसी भी स्थान पर सबसे पहले पहुंचती हैं।
- (ii) **द्वितीय अथवा S तरंगे** → ये अनुप्रस्थ तरंगे होती हैं तथा केवल ठोस माध्यम से होकर गुजरती हैं।
- (iii) **सतही अथवा L तरंगे** → इनकी खोज H.D. Love ने की थी इसलिए इन्हें **Love तरंगे** भी कहते हैं। ये सबसे विनाशकारी तरंगे होती हैं।
 - भूकंपीय तरंगों को **सिस्मोग्राफ** द्वारा मापा जाता है।
 - भूकंप के उद्भव स्थान को **केंद्र** तथा भूकंप के ऊपर पृथ्वी के सतह के बिंदु को **अधिकेन्द्र** कहते हैं।
 - भूकंप की तीव्रता को **रिक्टर स्केल** पर मापते हैं जो 1 से 9 के बीच में होता है।

वायुमंडल की संरचना :

- (i) **क्षोभमंडल (Troposphere)** : यह सतह से लगभग 18 km तक होती है। प्रत्येक 165 km पर 1°C की गिरावट होती है। इस मंडल को **संवहन मंडल** तथा **अधो मंडल** भी कहते हैं।
- (ii) **समताप मंडल (Stratosphere)** : यह 50km की ऊंचाई तक है। इसमें मौसमी घटनाएं जैसे बादल गरजना , बिजली कड़कना आदि नहीं होते। इस मंडल में वायुयान उड़ाने की उचित दशा पाई जाती है। इस मंडल में कभी कभी **भूलाभ मेघ** बनते हैं। इस मंडल में ही **ओजोन परत** पाई जाती है जिसकी मोटाई 32 से 60 km तक होती है।
- (iii) **मध्यमंडल (Mesosphere)** : यह समताप मंडल के ठीक ऊपर 80 km की ऊंचाई तक फैला है। इसमें ऊंचाई के साथ साथ तापमान घटता है और 80 km तक पहुंचने पर -100°C तक हो जाता है।
- (iv) **आयनमंडल (Ionosphere)** : यह मध्यमंडल के ऊपर 80 km से 400 km तक स्थित है। इसमें विद्युत आवेशित कण पाए जाते हैं , जिसका कारण पराबैंगनी किरणें तथा कम वायुदाब है। इस मंडल से रेडियो तरंगे परावर्तित होती हैं। आयनमंडल में ऊंचाई के साथ तापमान बढ़ता है।
- (v) **बाह्यमंडल (Exosphere)** : इसकी कोई ऊपरी सीमा निर्धारित नहीं है। इसमें हाइड्रोजन और हीलियम की प्रधानता होती है। इस मंडल में ही **औरोरा ऑस्ट्रियोलिस** एवं **औरोरा बोरियोलिस** दिखाई देते हैं।

भारत का भूगोल

भारत के पड़ोसी देश तथा उनसे लगे राज्य :

- **चीन** : लद्दाख , हिमाचल प्रदेश , उत्तराखंड , सिक्किम एवं अरुणाचल प्रदेश।
- **बांग्लादेश** : असम , मेघालय , मिजोरम , त्रिपुरा एवं बंगाल।
- **पाकिस्तान** : लद्दाख , जम्मू & कश्मीर , पंजाब , गुजरात।
- **नेपाल** : उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड , बिहार , पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम।
- **म्यांमार** : अरुणाचल प्रदेश , नागालैंड , मिजोरम एवं मणिपुर।
- **भूटान** : सिक्किम , असम , पश्चिम बंगाल एवं अरुणाचल प्रदेश।
- **अफगानिस्तान** : बिंदु लद्दाख
- भारत के साथ सबसे लंबी सीमा **बांग्लादेश** की है।

- भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु **इंदिरा प्वाइंट** है जो अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में स्थित है।
- भारत - पाकिस्तान सीमा → **रेडक्लिफ रेखा** | भारत - चीन सीमा → **मैकमोहन रेखा** | भारत - अफगानिस्तान सीमा → **डूरंड रेखा**
- सर्वाधिक राज्यों की सीमा से लगा राज्य उत्तर प्रदेश है।



- उत्तर से दक्षिण भारत का विस्तार **3214 km** एवं पश्चिम से पूर्व **2933 km** है। भारत के स्थल सीमा की लंबाई **15200 km** और भारत का क्षेत्रफल **3287263 वर्ग किलोमीटर** है।

भारत के प्रमुख दर्रे :

जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख : कराकोरम दर्रा , जोजिला दर्रा , पीरपंजाल दर्रा , बनिहाल दर्रा , बुर्जिला दर्रा।

हिमाचल प्रदेश : शिपकिला दर्रा , रोहतांग दर्रा , बड़ालाचा दर्रा।

उत्तराखंड : लिपुलेख दर्रा , माना दर्रा , नीति दर्रा।

सिक्किम : नाथुला दर्रा , जेलेप्ला दर्रा।

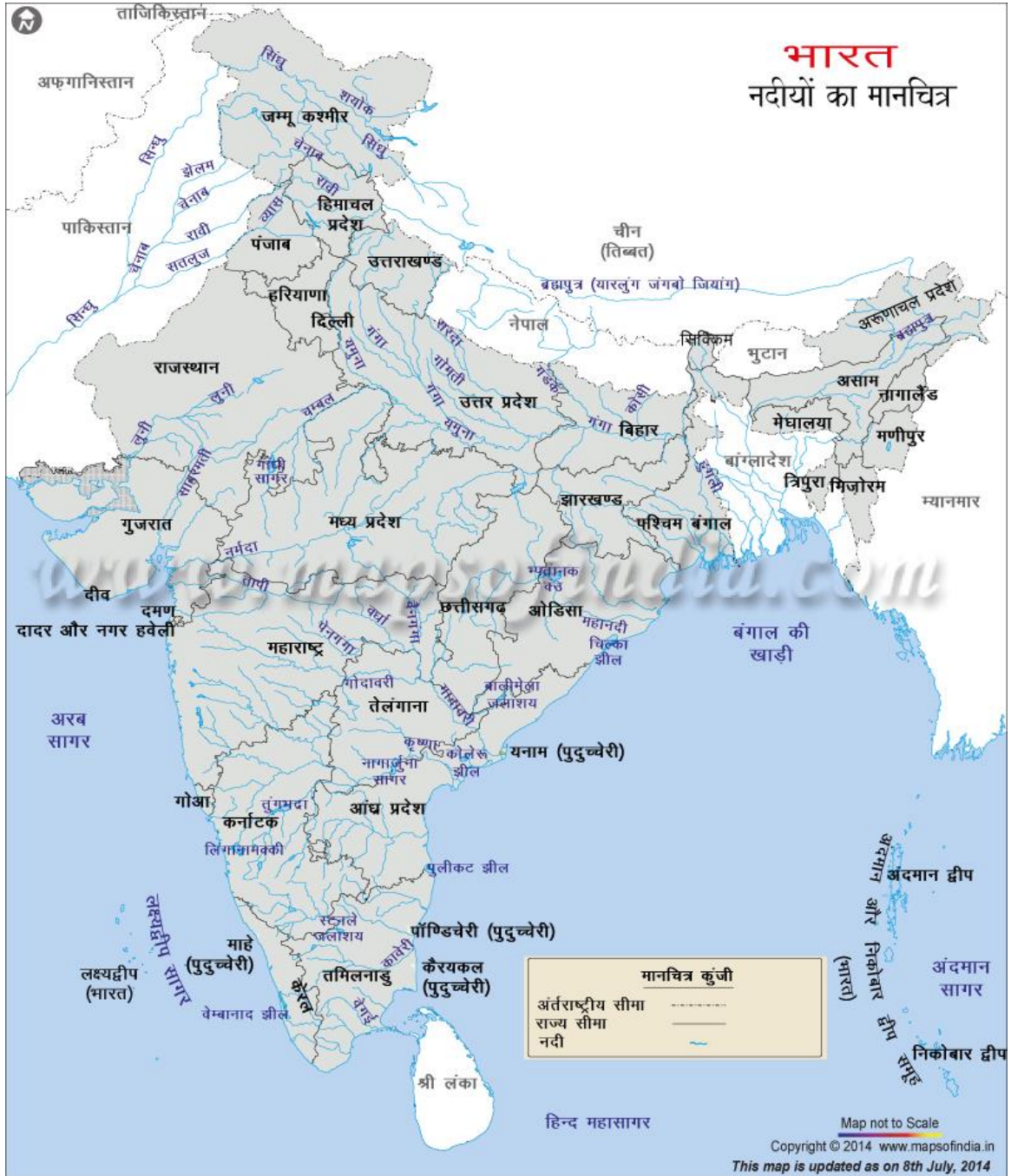
अरुणाचल प्रदेश : बोमडिला दर्रा , यांजाप दर्रा , दीफू दर्रा।

मणिपुर : तुजू दर्रा।

- बुर्जिला दर्रा **श्रीनगर** से **गिलगित** को जोड़ता है।
- बनिहाल दर्रा **जम्मू** को **श्रीनगर** से जोड़ता है।
- भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी **K-2 गॉडविन ऑस्टिन** है जो **ट्रांस हिमालय क्षेत्र** में स्थित है।
- वृहद हिमालय , लघु हिमालय से **मेन सेंट्रल थ्रस्ट** द्वारा अलग होता है।
- भारत में दो ज्वालामुखी **बैरन** एवं **नारकोंडम** है जिसमें बैरन सक्रीय तथा नारकोंडम सुषुप्त ज्वालामुखी है।

भारत की नदियाँ :

- गोमुख के निकट गंगोत्री हिमानी गंगा नदी का उद्गम स्थान है जहाँ इसे भागीरथी कहते हैं। गंगा की अन्य सहायक नदी यमुना , रामगंगा , घाघरा नदी , सोन नदी आदि हैं।
- लूनी नदी एकमात्र ऐसी नदी है जो चलती चलती आगे कछ के रण में विलुप्त हो जाती है।
- बनास नदी अपना सम्पूर्ण चक्र राजस्थान में ही पूरा करती है।
- गोदावरी नदी को दक्षिण गंगा और वृद्ध गंगा कहते हैं। वही कावेरी नदी को दक्षिण भारत की गंगा कहते हैं।



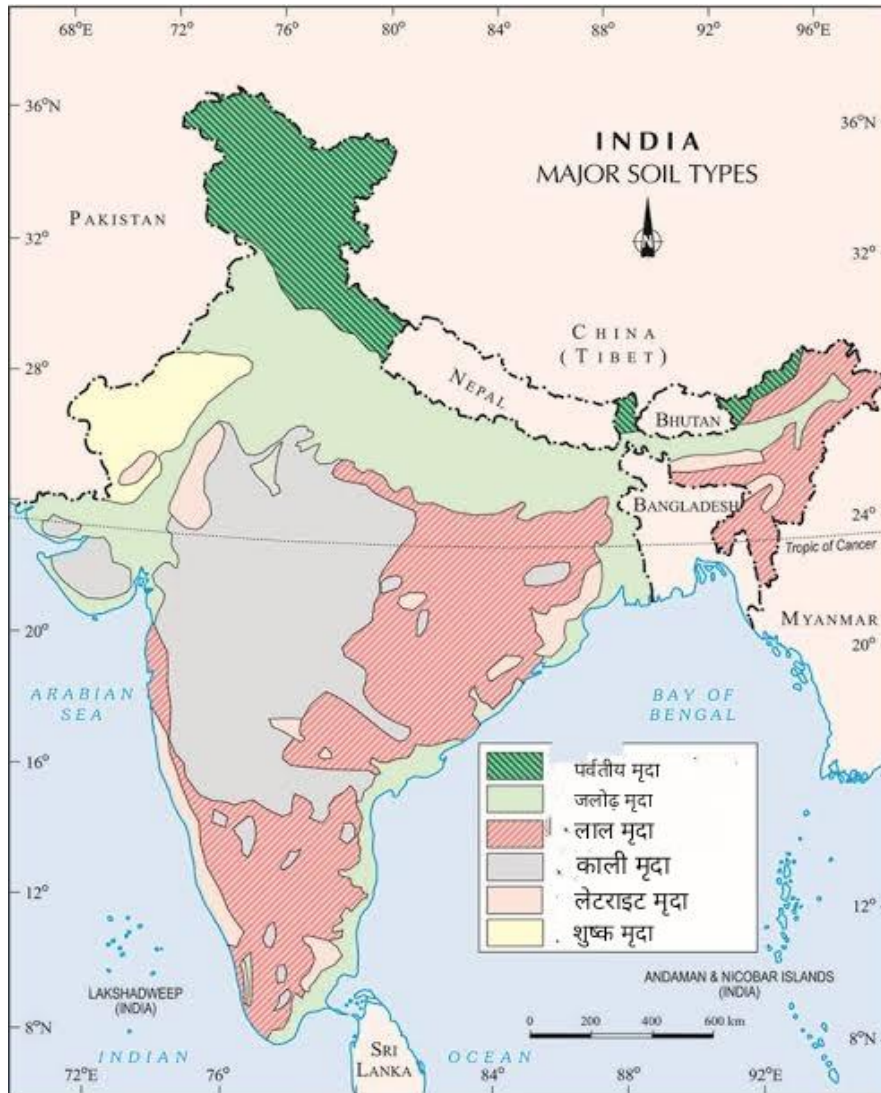
भारत की प्रमुख झील :

- उत्तराखंड : सात ताल झील , नैनीताल झील , राकस्ताल झील , मालाताल झील , देवताल झील , नौकुछिया ताल झील , खुरपाताल झील।
- राजस्थान : सांभर झील , राजसमंद झील , पिछोला झील , लूनकरनसर झील , फतेहसागर झील , डीडवाना झील।
- मणिपुर : लोकटक झील

- तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश बॉर्डर : पुलिकट झील
- आंध्र प्रदेश : कोलेरु झील , हुसैनसागर झील
- ओडिशा : चिल्का झील
- महाराष्ट्र : लोनार झील
- केरल : बेंबानड झील , अष्टमुदी झील , पेरियार झील

भारत की मिट्टी :

1. **जलोढ मिट्टी** : नदियों द्वारा लाई गई इस मिट्टी में पोटाश की अधिकता होती है जिस कारण यह अत्यधिक उपजाऊ मिट्टी होती है। यह मिट्टी भारत के 22% हिस्से में है। पुरानी जलोढ मिट्टी को **बांगर** व नई मिट्टी को **खादर** कहते हैं। इसमें धान , गेहूँ , मक्का , तिलहन , दलहन , आलू आदि फसले उगाई जाती हैं।
2. **काली मिट्टी** : बेसाल्ट चट्टानों के टूटने से बनी इस मिट्टी में आयरन , चूना , एल्यूमीनियम एवं मैग्नीशियम की बहुलता होती है। इस मिट्टी का काला रंग **जीवांश** तथा **टिटेनीफेरस मैग्नेटाइट** के कारण होता है। यह मिट्टी **कपास** के लिए उपयुक्त होती है।
3. **लाल मिट्टी** : इस मिट्टी में **सिलिका** एवं **आयरन** की बहुलता होती है। इस मिट्टी का लाल रंग **लौह ऑक्साइड** के कारण होता है। इसकी प्रकृति अम्लीय होती है तथा पानी में मिलने के बाद यह पीली हो जाती है। इस मिट्टी में कपास , गेहूँ , दाले एवं मोटे अनाजों की खेती होती है।
4. **लेटराइट मिट्टी** : इसका निर्माण मानसूनी जलवायु की आर्द्रता एवं शुष्कता में परिवर्तन के कारण उत्पन्न विशिष्ट परिस्थितियों में होती है। यह मिट्टी गहरी लाल लेटराइट , सफेद लेटराइट तथा भूमिगत लेटराइट। यह मिट्टी **काजू** , **चाय** एवं **इलायची** के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है।



भारत की कृषि व फसल :

- **रबी की फसल** : अक्टूबर - नवंबर में बोई जाती है और मार्च - अप्रैल में काट ली जाती है। जैसे - गेहूँ, सरसो, जौ, चना, मटर, आलू, अलसी, राई।
- **खरीफ की फसल** : यह जून जुलाई में बोई जाती है और नवंबर दिसंबर में काट ली जाती है। जैसे - चावल, गन्ना, तिलहन, ज्वार, बाजरा, अरहर, मक्का, मूंगफली, कपास, सोयाबीन आदि।
- भारत में हरित क्रांति 1967 - 68 में आई जिसके जनक डॉ० एम. एस. स्वामीनाथन थे। उसके बाद द्वितीय हरित क्रांति 1983 - 84 में आई जिसमें और अधिक अनाज का उत्पादन हुआ।
- श्वेत क्रांति के जनक डॉ० वी. कुरियन माना जाता है। इस क्रांति का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना था। इसी प्रकार नीली क्रांति - मत्स्य, भूरी क्रांति - उर्वरक, रजत क्रांति - अंडा, लाल क्रांति - टमाटर एवं मांस उत्पादन, गोल क्रांति - आलू, अमृत क्रांति - नदी जोड़ो परियोजना से संबंधित है।

भारत के प्रमुख कृषि अनुसंधान केंद्र एवं मुख्यालय :

केंद्रीय चावल अनुसंधान केंद्र - कटक	राष्ट्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान - चिकमलूर	राष्ट्रीय रबर अनुसंधान संस्थान - कोट्टायम
राष्ट्रीय कपास अनुसंधान केंद्र - नागपुर	केंद्रीय रेशम अनुसंधान संस्थान - मैसूर	राष्ट्रीय जूट अनुसंधान संस्थान - वैरकपुर
राष्ट्रीय गन्ना प्रजनन संस्थान - कोयंबटूर	केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान - राजमुद्री	केंद्रीय नारियल अनुसंधान संस्थान - काशरगोड
भारतीय गन्ना अनुसंधान केंद्र - लखनऊ	भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान - कानपुर	भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान - हैदराबाद
केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान - शिमला	केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान - बैंगलोर	केंद्रीय मिट्टी एवं जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र - देहरादून
राष्ट्रीय चाय अनुसंधान संस्थान - जोरहट	केंद्रीय कृषि मौसम विज्ञान केंद्र - पूना	

भारत के खनिज संसाधन :

- **लौह अयस्क** : ओडिशा (सोनई, क्योझर, म्यूरभंज), झारखंड (सिंहभूम, हजारीबाग, पलामू, धनबाद), छत्तीसगढ़ (बस्तर, दुर्ग, रायपुर, रायगढ़, विलासपुर), मध्य प्रदेश (जबलपुर), कर्नाटक (बेलारी, चिकमंगलूर, चीतल दुर्ग), महाराष्ट्र (रत्नागिरी, चांदा), तमिलनाडु (सलेम, तिरुचिरापल्ली), गोवा। विश्व में लोहे का उत्पादन करने वाले शीर्ष देश हैं चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील एवं भारत।
- **पेट्रोलियम** : भारत में पेट्रोलियम सर्वप्रथम असम के डिगबोई नामक स्थान पर पाया गया। इसके अलावा खनिज तेल गुजरात, महाराष्ट्र (मुंबई हाई) आदि स्थानों पर पाया जाता है।
- **कोयला** : इसे काला सोना भी कहते हैं। भारत का कोयला उत्पादन में विश्व में तीसरा स्थान है। यह भारत के इन राज्यों में पाया जाता है - झारखंड (धनबाद, सिंहभूम, गिरिडीह), पश्चिम बंगाल (रानीगंज, आसनसोल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़), ओडिशा (देशगढ़ व कलचर)। लिग्नाइट को भूरा कोयला भी कहते हैं।
- **मैंगनीज** : ओडिशा (सुंदरगढ़, संबलपुर, बोलांगीर, कोनझीर, कालाहांडी, कोरापुट), महाराष्ट्र (नागपुर & भंडारा), मध्य प्रदेश (बालाघाट, छिंदवाड़ा), कर्नाटक (शिमोगा, बेलारी, बीजापुर, चित्रदुर्ग)। प्रमाणित भंडारों की दृष्टि से भारत का विश्व में दूसरा स्थान है। प्रथम पर जिम्बाब्वे है।
- **तांबा** : राजस्थान (खेतडी, झुंझुनूं, भीलवाड़ा, अलवर एवं सिरौही), झारखंड (सिंहभूम, हजारीबाग), महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि। राजस्थान के जवार खान से जस्ते के साथ साथ तांबा भी निकाला जाता है।
- देश में उत्पादित कुल सोने का 98% कर्नाटक से होता है। कर्नाटक की प्रमुख सोने की खान कोलार, ऊटी तथा हट्टी है।
- **हीरा** मध्य प्रदेश के पन्ना जिले मंझ गांवा खान से निकलता है।
- विश्व का सबसे बड़ा थोरियम उत्पादक देश भारत है परंतु थोरियम से नाभिकीय रिएक्टर चलाने की विधि की अभी तक खोज नहीं हुई है।
- चांदी उत्पादक राज्य राजस्थान (जवार खान), कर्नाटक (चित्रदुर्ग, बिलारी), आंध्र प्रदेश आदि है।
- सीसा झारखंड तथा राजस्थान में एवं टिन झारखंड में पाया जाता है।

भारतीय उद्योग के कुछ प्रमुख तथ्य :

- देश में पहला लौह इस्पात कारखाना 1874 ई० में बराकर नदी के किनारे कुल्टी नमक स्थान पर लगा था जो आसनसोल, पश्चिम बंगाल में स्थित है। बाद में यह कंपनी बंद हो गई।
- कुछ प्रमुख लौह इस्पात संयंत्र हैं - भारतीय लौह इस्पात कंपनी हीरपुर प० बंगाल, मैसूर आयरन एंड स्टील वर्क्स, भिलाई इस्पात संयंत्र आदि।
- एल्यूमीनियम का पहला कारखाना जे. के. नगर, प० बंगाल में स्थित है।
- सूती वस्त्र उद्योग के कारण कानपुर को उत्तर भारत का मैनचेस्टर तथा कोयंबटूर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कहते हैं।

भारत की पर्वत श्रृंखलाएं :



नागरिक शास्त्र [Civics]

भारतीय संविधान :

भारतीय संविधान भारत की सर्वोच्च कानून है और यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था और उस समय भारत एक संघीय गणतंत्र बन गया था।

भारतीय संविधान के प्रारंभ में कुल 395 अनुच्छेद थे। इनमें से पहले 8 अनुच्छेद भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करते थे, जैसे कि स्वतंत्रता, भाषा, धर्म, जाति, स्थान और समानता। बाकी के अनुच्छेद संविधान के विभिन्न विषयों पर विस्तार से टिप्पणी करते थे।

संविधान में वर्तमान में कुल 448 अनुच्छेद हैं। संविधान में कुछ अनुच्छेद और अनुसूचियां संशोधनों के बाद जोड़े गए हैं जबकि कुछ अनुच्छेद संशोधनों के द्वारा संविधान से हटाए गए हैं। संविधान के वर्तमान रूप में अनुच्छेद 1 से 395 तक नंबर होते हैं और उसके बाद से अनुच्छेद 396 से शुरू होते हुए अनुच्छेद 448 तक जाते हैं।

भारतीय संविधान के विदेशी स्रोत :

- (i) USA → संविधान की सर्वोच्चता , राष्ट्रपति , उपराष्ट्रपति एवं उनपर महाभियोग , मौलिक अधिकार , न्यायाधीशों को हटाने की विधि।
- (ii) ब्रिटेन → संसद प्रणाली , एकल नागरिकता एवं कानून निर्माण प्रक्रिया।
- (iii) आयरलैंड → नीति निर्देशक सिद्धांत , राष्ट्रपति के निर्वाचन मंडल की व्यवस्था , राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में विज्ञान , साहित्य आदि में ख्यातिप्राप्त व्यक्ति का मनोनयन।
- (iv) ऑस्ट्रेलिया → केंद्र एवं राज्य के बीच संबंध एवं शक्ति विभाजन , संसदीय विशेषाधिकार , प्रस्तावना की भाषा।
- (v) जर्मनी → आपातकाल के दौरान राष्ट्रपति को विशेष शक्तियां।
- (vi) कनाडा → संघात्मक विशेषताएं , राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया , केंद्र के पास अवशिष्ट शक्तियां।
- (vii) दक्षिण अफ्रीका → संविधान संशोधन की प्रक्रिया का प्रावधान।
- (viii) रूस → मौलिक कर्तव्य
- (ix) जापान → विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया।

भारतीय संविधान की अनुसूचियां :

संविधान में कुल 12 अनुसूचियां हैं -

- (i) प्रथम : भारत के कुल राज्य एवं संशासित प्रदेश
- (ii) द्वितीय : वेतन , भत्ता एवं पेंशन
- (iii) तृतीय : शपथ
- (iv) चौथी : विभिन्न राज्यों की राज्यसभा
- (v) पांचवी : SC & ST category
- (vi) छठी : असम , मेघालय , त्रिपुरा , मिजोरम
- (vii) सातवी अनुसूची : केंद्र एवं राज्यों के बीच शक्ति विभाजन
 - 1. संघ सूची : इनपर केंद्र कानून बनाती है , पहले ये 97 थे पर अब इसमें 100 विषय हैं , जैसे - रक्षा , विदेशी मामले , युद्ध एवं शांति , रेल , मुद्रा , परमाणु शक्ति आदि।
 - 2. राज्य सूची : इसमें पहले 60 विषय थे अब 61 हैं , जैसे - शांति और व्यवस्था , पुलिस , जेल , कृषि , स्वास्थ्य , राज्य व्यापार आदि।
 - 3. समवर्ती सूची : केंद्र एवं राज्य दोनों कानून बना सकते हैं। पहले इसमें 47 विषय थे परंतु आज इसमें 52 विषय हैं। जैसे - दीवानी और फौजदारी कानून एवं व्यवस्था , विवाह एवं तलाक , शिक्षा , आर्थिक नियोजन , बिजली , समाचार पत्र , श्रमिक संघ , वन आदि।
- (viii) आठवी : भारत की 22 भाषाएं।
- (ix) नौवीं : यह प्रथम संविधान संशोधन 1951 द्वारा जोड़ी गई। इसमें राज्य द्वारा संपत्ति के अधिग्रहण का उल्लेख है जिसकी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती बशर्ते वह मौलिक अधिकारों का हनन न करती हो।
- (x) दसवीं : दल बदल से संबंधित। 52वें संशोधन 1985 में जोड़ी गई।
- (xi) ग्यारहवीं : यह 73वें संशोधन द्वारा जोड़ी गई (1993) । इसने पंचायती राज व्यवस्था के विषय हैं।
- (xii) बारहवीं : यह 74वें संशोधन 1993 द्वारा जोड़ी गई। इसमें स्थानीय स्वशासन का वर्णन है

भारत का राष्ट्रपति

TRICK → पकानि कोका दूयो दशम

अनुच्छेद 52 : प : राष्ट्रपति का पद || अनुच्छेद 53 : का : राष्ट्रपति कार्यपालिका का प्रधान || अनुच्छेद 54 : नि : निर्वाचन || अनुच्छेद 55 : को : कोटा ||

अनुच्छेद 56 : का : कार्यकाल || अनुच्छेद 57 : दु : दुबारा भी निर्वाचित हो सकता है। || अनुच्छेद 58 : यो : योग्यता → भारत का नागरिक हो , 35 वर्ष आयु लोकसभा का सदस्य निर्वाचित किए जाने योग्य हो , लाभ के पद पर न हो। || अनुच्छेद 59 : द : दशाएं → पागल न हो , दीवालिया न हो , आदि।

अनुच्छेद 60 : श : शपथ || अनुच्छेद 61 : म : महाभियोग।

- राष्ट्रपति अनेक पदाधिकारियों की नियुक्ति करता है जैसे : भारत का प्रधानमंत्री , मंत्रिपरिषद , सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश , भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक , राज्यों के राज्यपाल , चुनाव आयुक्त आदि।
- राष्ट्रपति के पास कुछ परिस्थितियों में आपातकाल घोषित करने की शक्ति भी है - (i) अनुच्छेद 352 - युद्ध अथवा बाह्य आक्रमण , (ii) अनुच्छेद 356 - राज्य में संवैधानिक तंत्र फेल होने पर , राष्ट्रपति शासन , (iii) अनुच्छेद 360 - वित्तीय आपात।

भारत का उपराष्ट्रपति

TRICK – उसरा निका चुस

अनुच्छेद 63 : उ : देश का एक उपराष्ट्रपति होगा। || अनुच्छेद 64 : स : उपराष्ट्रपति राज्यभा का सभापति होगा। || अनुच्छेद 65 : रा : उपराष्ट्रपति देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति होगा। || अनुच्छेद 66 : नि : उपराष्ट्रपति की निर्वाचन प्रक्रिया || अनुच्छेद 67 : का : उपराष्ट्रपति का कार्यकाल || अनुच्छेद 68 : चु : चुनाव का समय। उपराष्ट्रपति का पद रिक्त होने पर उसे जल्द से जल्द भरना आवश्यक है। || अनुच्छेद 69 : स : शपथ। राष्ट्रपति द्वारा उपराष्ट्रपति को शपथ दिलाता है। यदि राष्ट्रपति अनुपस्थित हो तो उपराष्ट्रपति को शपथ भारत के मुख्य न्यायाधीश दिलाते हैं।

उपराष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान अमेरिका के संविधान से लिया गया है। वह अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को दे सकता है।

भारत का प्रधानमंत्री

- अनुच्छेद 74 के अनुसार राष्ट्रपति को उसके कार्यों का संपादन एवं सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रधान देश का प्रधानमंत्री होगा।
- अनुच्छेद 75 के अनुसार राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की नियुक्ति करेगा तथा उसके पश्चात मंत्रिपरिषद के शेष मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर करेगा।
- अनुच्छेद 75(4) के अनुसार राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के शेष मात्रियों को शपथ दिलाएगा।
- प्रधानमंत्री किसी भी समय राष्ट्रपति को लोकसभा को विघटित करने की सलाह दे सकता है , क्योंकि प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता होता है।
- प्रधानमंत्री भारत का वास्तविक कार्यवाहक होता है जिसके पास संघ सरकार का संचालन करने की शक्ति होती है।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को चुनाव आयोग , महान्यायवादी , सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में सलाह दे सकता है।

राज्यसभा

राज्यसभा का वर्णन संविधान के अनुच्छेद 80 में है जिसमें राज्यसभा की संरचना के बारे में उल्लेख है , जिसके अनुसार राज्यसभा में अधिक से अधिक 250 मेंबर हो सकते हैं , जिनमें से 12 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं। राज्यसभा के लिए न्यूनतम उम्र 30 वर्ष है।

अनुच्छेद 83 के अनुसार, राज्यसभा एक स्थाई सदन है जो कभी भंग नहीं होता। प्रत्येक 2 वर्ष बाद इसके 1/3 सदस्य रिटायर होते हैं।

अनुच्छेद 89 में लिखा है की राज्यसभा का पदेन सभापति उपराष्ट्रपति होता है , तथा मंत्रिपरिषद राज्यसभा के प्रति उत्तरदाई नहीं होती है।

लोकसभा

संविधान के अनुच्छेद 81 में लोकसभा की संरचना का वर्णन है। यह एक निम्न सदन है। लोकसभा अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को चुनती है जिसका वर्णन **अनुच्छेद 93** में है। लोकसभा के सदस्यों को सीधा जनता द्वारा चुना जाता है। लोकसभा की 84 सीट अनुसूचित जाति के लिए तथा 47 सीट अनुसूचित जनजाति के सदस्य के लिए आरक्षित है। लोकसभा के सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है परंतु आपातकाल के दौरान सांसद लोकसभा के कार्यकाल को बढ़ा भी सकती है। लोकसभा की दो बैठकों के बीच 6 महीने से अधिक का समय नहीं होना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार लोकसभा खुद ही अपने सदस्यों में से एक को **अध्यक्ष (speaker)** चुनेगी तथा एक को उपाध्यक्ष चुनेगी। लोकसभा अध्यक्ष की यह शक्ति होती है की वह सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों को स्वीकार करे , अथवा वह उन्हें नियम विरुद्ध भी घोषित कर सकता है। किसी दल के 55 अथवा अधिक सदस्य लोकसभा में होने पर ही वह अपने आप को **विपक्षी दल** घोषित कर सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण अनुच्छेद एवं पद :

- **अनुच्छेद 76** में भारत के महान्यायावादी की चर्चा है। वह किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता तथा **अनुच्छेद 88** के अनुसार उसे वोट देने का अधिकार भी नहीं है। वह भारत सरकार का विधि अधिकारी होता है।
- **अनुच्छेद 12 से 35** तक मौलिक अधिकारों का वर्णन है।
- **अनुच्छेद 14** के अनुसार कानून के समक्ष सभी नागरिक समान है।
- **अनुच्छेद 15** के अनुसार देश के किसी भी नागरिक के साथ **धर्म , जाति , लिंग , नस्ल , आदि** के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है।
- **अनुच्छेद 16** समानता के अधिकार को दर्शाता है। तथा **अनुच्छेद 17** में अस्पृश्यता के उन्मूलन को दंडनीय अपराध माना गया है।
- **अनुच्छेद 18** उपाधियों का अंत।
- **अनुच्छेद 19 (a) – बोलने की स्वतंत्रता , 19 (b) शांतिपूर्ण सभा करने की स्वतंत्रता , 19 (c) संघ बनाने की स्वतंत्रता , 19 (d) आवागमन की स्वतंत्रता , 19 (e) जम्मू और कश्मीर को छोड़कर देश के किसी भी स्थान पर बसने की स्वतंत्रता।**
- **अनुच्छेद 19 (f)** संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को दर्शाता था परंतु 44वें संविधान संशोधन 1978 में इसे हटा दिया गया है।
- **अनुच्छेद 19 (g) – देश में कोई भी व्यापार करने एवं जीविका चलाने की स्वतंत्रता।** बशर्ते वह कार्य कानून की नजरो में अपराध न हो।
- **अनुच्छेद 20** अपराधों के संबंध में स्वतंत्रता देता है , **जैसे :** एक अपराध के लिए एक सजा , जिस समय अपराध किया उसी समय के कानून के अनुसार सजा तथा न्यायालय में अपने ही विरुद्ध गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।
- **अनुच्छेद 124** में भारत के **सर्वोच्च न्यायालय** का वर्णन है। सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में स्थित है। इसमें 1 मुख्य न्यायाधीश एवं 30 अन्य न्यायाधीश होते हैं।
- **अनुच्छेद 214** के अनुसार प्रत्येक राज्य में एक एक **उच्च न्यायालय** स्थापित होने वर्णन है। वर्तमान में कुल 24 उच्च न्यायालय है।

राज्यपाल : भारत के संविधान के अनुच्छेद 153 से अनुच्छेद 162 तक राज्यपाल के फंक्शन को विस्तार से बताया गया है। ये अनुच्छेद राज्य के गठन, राज्य सरकार की स्थापना और कार्यक्रम, राज्य में न्यायालयों की स्थापना और न्यायपालिका आदि के संबंध में विस्तार से बताते हैं। एक राज्यपाल का कार्य तथा उसकी शक्तियां राज्य में ठीक उसी प्रकार होती है जिस प्रकार केंद्र में राष्ट्रपति के कार्य तथा शक्तियां होती हैं। **अनुच्छेद 164** के अनुसार राज्यपाल विधान मंडल का अभिन्न अंग होता है। राज्य में अव्यवस्था फैलने पर राष्ट्रपति को सूचना भी राज्यपाल ही देता है , कि वह राज्य का शासन खुद संभाले।

विधानपरिषद : जिस प्रकार केंद्र में राज्यसभा की संरचना होती है ठीक उसी प्रकार राज्य में विधानपरिषद होती है। एक विधान परिषद में सदस्यों की संख्या उसी राज्य की विधानसभा के सदस्यों की संख्या के एक तिहाई से अधिक नहीं हो सकती। **जैसे** किसी राज्य की विधान सभा में 120 सदस्य है तो उस राज्य की विधान परिषद में 40 से अधिक सदस्य नहीं हो सकते। **परंतु** किसी भी अवस्था में सदस्यों की संख्या 40 से कम नहीं होनी चाहिए। यदि किसी राज्य की विधानसभा अपने कुल सदस्यों के पूर्ण बहुमत तथा उपस्थित मतदान करने वाले सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करे तो **संसद** उस राज्य में विधान परिषद स्थापित अथवा उसका लोप कर सकती है। विधानपरिषद का वर्णन संविधान के अनुच्छेद **169** में है।

विधानसभा : जिस प्रकार केंद्र में लोकसभा होती है ठीक उसी प्रकार राज्य में विधान सभा होती है। यह राज्य के लिए कानून बनाती है , कार्यपालिका पर इसी का नियंत्रण होता है। विधानसभाओं के सदस्य का भी राष्ट्रपति के निर्वाचन में उतना ही अधिकार होता है जितना की संसद के दोनों सदन का।

मुख्यमंत्री : विधानसभा में बहुमत दल के नेता को ही साधारणतया मुख्यमंत्री बनाया जाता है। राज्यपाल एवं मंत्रिपरिषद के बीच का कार्य मुख्यमंत्री ही करता है। इसकी शक्तियां को आप इस प्रकार भी मान सकते हैं जिस प्रकार केंद्र में प्रधानमंत्री होता है। **अनुच्छेद 167** में मुख्यमंत्री के कार्यों का वर्णन है।

अर्थशास्त्र [Economics]

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र :

- (i) **प्राथमिक क्षेत्र** : इस क्षेत्र में कृषि , पशुपालन , मत्स्य पालन , खनन , आदि भूमि , जल एवं वनस्पति से जुड़े व्यवसाय आते हैं।
- (ii) **द्वितीयक क्षेत्र** : प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त वस्तुओं जैसे दूध , अनाज , धातु इत्यादि से नई वस्तु द्वितीयक क्षेत्र में बनाई जाती है । इस प्रकार इस क्षेत्र में स्टील उद्योग , वस्त्र उद्योग , डेयरी , वाहन , इलेक्ट्रॉनिक्स आदि औद्योगिक कार्यों को रखा जाता है।
- (iii) **तृतीयक क्षेत्र** : यह क्षेत्र साधारणतया सेवा क्षेत्र (service sector) भी कहा जाता है। इसमें विभिन्न प्रकार की सेवा जैसे बीमा , बैंकिंग , शिक्षा , पर्यटन , चिकित्सा , IT , आदि आते हैं।

किसी भी देश की आर्थिक स्थिति अथवा आर्थिक विकास को हम कुछ अलग अलग पैमानों द्वारा माप सकते हैं जैसे GDP , GNP , PCI आदि।

GDP (Gross Domestic Product – सकल घरेलू उत्पाद) : किसी देश की सीमा के भीतर उत्पादित कुल वस्तुओं अथवा उत्पाद , चाहे वह देश के निवासी ने बनाया हो अथवा गैर निवासी ने , के मूल्य का योग ही GDP कहलाता है। किसी देश को बाहरी रूप से समृद्ध दिखाने का यह एक अच्छा सूचक साबित होता है।

GNP (Gross National Product – सकल राष्ट्रीय उत्पाद) : किसी देश के नागरिक अथवा कंपनी या फर्म द्वारा उत्पादित , देश की सीमा क्षेत्र में तथा देश के बाहर , कुल वस्तुओं अथवा सेवाओं के मूल्य को GNP कहा जाता है। इसमें ध्यान रहे की केवल देश के नागरिकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को ही जोड़ा जाता है , किसी विदेशी कंपनी से इसका कोई मतलब नहीं होता है।

PCI (Per Capita Income – प्रति व्यक्ति आय) : यह किसी देश के नागरिकों की आर्थिक समृद्धि दिखाने का वास्तविक सूचक होता है। यदि देश की GDP को जनसंख्या से भाग दी जाए तो प्रति व्यक्ति आय प्राप्त होती है।

- भारत की GDP आज बोहोत ऊपर पहुंच चुकी है परंतु प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत आज भी अन्य विकासशील देशों के बीच ही आता है। आज बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय भी भारत से अधिक है। देश को विकास के मार्ग पर ले जाने के लिए हमें अपनी सोच को बदलना होगा।
- भारत में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय Goa की है।

अन्य महत्वपूर्ण परिभाषाएं :

मूल्य कटौती अथवा हास : भारत में मूल्य कटौती अथवा हास की दर का निर्धारण केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय करता है।

NDP (Net Domestic Product – शुद्ध घरेलू उत्पाद) : GDP से हास को घटाकर प्राप्त होती है।

$$NDP = GDP - \text{हास}$$

NDP का उपयोग घिसावट के चलते होने वाले हास को समझने में किया जाता है।

NNP (Net National Product – शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद) : सकल राष्ट्रीय उत्पाद NNP में से मूल्य हास को घटाने पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त होता है।

$$NNP = NDP - \text{हास}$$

NNP का उपयोग किसी भी अर्थव्यवस्था अथवा देश की आय को आकलित करने का सबसे अच्छा तरीका माना जाता है।

पंचवर्षीय योजनायें

प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951 – 56 ई०) :

हैरॉड डोमर मॉडल पर आधारित इस योजना का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के संतुलित विकास की प्रक्रिया आरंभ करना था। इस योजना में कृषि को प्राथमिकता दी गई थी। यह एक सफल योजना थी जिसका लक्ष्य 2.1% विकास हासिल करना था लेकिन इसने 3.6% विकास दर को हासिल किया। भाखड़ा नांगल परियोजना , व्यास परियोजना , दामोदर नदी घाटी परियोजना आदि को इसी समय शुरू किया गया था। इस योजना के दौरान GDP में 18% तथा प्रति व्यक्ति आय में 11 % की वृद्धि हुई।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956 - 61 ई०) :

पी. सी. महलनोबिस मॉडल पर आधारित इस पंचवर्षीय योजना का मुख्य उद्देश्य **समाजवादी समाज की स्थापना करना** था। इसमें जीवन स्तर को उठाने का प्रयास किया गया , तथा इसने 4.1 विकास दर को हासिल किया। इस योजना में खनिजों को सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई तथा उसके बाद संचार एवं यातायात पर व्यय किया गया। दुर्गापुर , राउरकेला , भिलाई आदि की आयरन एंड स्टील फैक्ट्री इसी दौरान शुरू हुई।

तृतीय पंचवर्षीय योजना (1961 - 66 ई०) :

अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना तथा स्वतः स्फूर्त अवस्था में लाना इसी योजना का उद्देश्य था। परंतु यह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल रही जिसका कारण भारत चीन युद्ध 1961 एवं भारत पाक युद्ध 1965 थे । इस योजना में सोवियत यूनियन की मदद से **बोकारो आयरन एंड स्टील इंडस्ट्री** की स्थापना हुई। **हरित क्रांति** का जन्म भी इसी परियोजना में हुआ।

योजना अवकाश (1966 - 69 ई०) : योजना अवकाश का प्रमुख कारण भारत पाक संघर्ष एवं सूखा के कारण संसाधनों में आई कमी था। परंतु इस दौरान भी भारत ने 3.8 % की वार्षिक वृद्धि प्राप्त की।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना (1969 - 74 ई०) :

इसका मॉडल “गाडगिल रणनीति” पर आधारित था, जो कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डी.आर. गाडगिल द्वारा प्रस्तावित की गई थी।

गाडगिल रणनीति का लक्ष्य कृषि को बढ़ावा देकर और भारी उद्योगों के विकास के माध्यम से त्वरित आर्थिक विकास हासिल करना था। यह इसके अलावा मानव विकास के महत्व को भी उल्लेखित करती थी, जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य को सुधारने का जोर था। इस योजना का लक्ष्य था जीडीपी में 5.7% की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल करना, जो कि पिछली तीन योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य से अधिक था।

इसके अलावा, चौथी पाँच वर्षीय योजना का उद्देश्य गरीबी को कम करना, आर्थिक स्वायत्तता को बढ़ावा देना और देश के लंबित विकास लक्ष्यों को हासिल करना था।

पांचवी पंचवर्षीय योजना (1974 - 78 ई०) :

भारत की पांचवी पंचवर्षीय योजना 1974 से 1978 तक लागू की गई थी। इसके लिए गठित कमेटी ने एक संयुक्त उद्देश्य तथा पूर्ण रूप से नई योजना का विकास करने का फैसला लिया। इस योजना का मॉडल “परमेश्वरन योजना” था, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नाम पर भी जाना जाता है।

पांचवी पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य देश के सभी क्षेत्रों का विकास था। इसमें **ग्रामीण क्षेत्रों के विकास तथा गरीबों की समृद्धि** पर विशेष जोर था। यह योजना अधिकतम आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राथमिकता देते हुए, उद्योगों, कृषि, और ग्रामीण विकास क्षेत्रों का विस्तार करने के लिए नई योजनाओं का विकास किया।

इस योजना का उद्देश्य देश की **आर्थिक गति को बढ़ाना, गरीबी को कम करना, जीवन का स्तर सुधारना** था। इसके अलावा, इस योजना में शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि विकास पर भी विशेष जोर था।

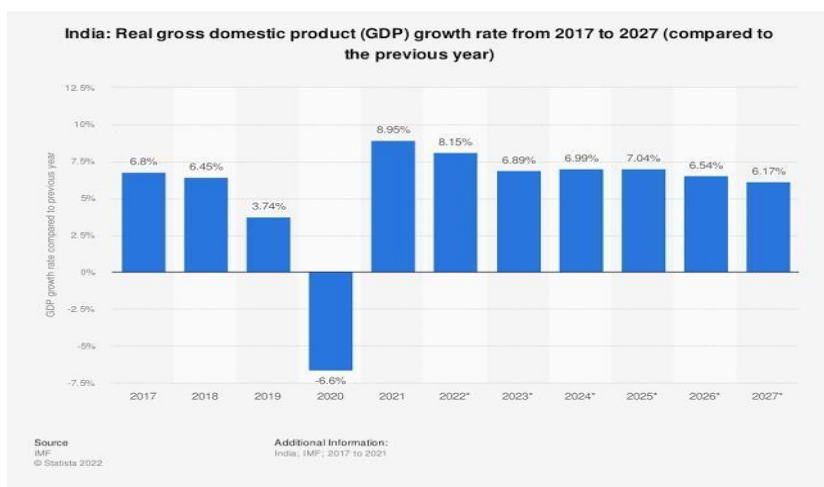
अनवरत योजना (1978 - 80 ई०) : यह जानता पार्टी द्वारा लाई गई पांच वर्षों तक चलने वाली योजना थी परंतु इंदिरा गांधी की सरकार ने इसे 1980 में ही समाप्त कर दिया। इसके दौरान उच्च मूल्य की मुद्राओं की वैधता समाप्ति , शराबबंदी , जन वितरण प्रणाली का विस्तार तथा सार्वजनिक बीमा योजना की शुरुआत की गई। इस योजना का विवरण गुन्नार मिर्डल की पुस्तक **एशियन ड्रामा** में है।

छठी पंचवर्षीय योजना (1980 - 85 ई०) :

इस योजना का मॉडल “दीर्घकालीन विकास योजना” था। इसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्रीय आर्थिक विकास तथा विकास के साथ-साथ **गरीबी उन्मूलन एवं रोजगार में वृद्धि**।

छठी पंचवर्षीय योजना में उद्योगों की विकास और प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग के लिए बड़ी ध्यान दिया गया था। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, तथा ग्रामीण विकास क्षेत्रों के लिए नई योजनाएं विकसित की गईं।

छठी पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय आर्थिक विकास को तेजी से बढ़ाना, गरीबी कम करना, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना था। इसके अलावा, इस योजना में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिए नई उद्यमिता को बढ़ावा दिया गया था। इस योजना में समाज और सामूहिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नई योजनाएं विकसित की गईं।



सातवी पंचवर्षीय योजना (1985 - 90 ई०) :

जॉन डबल्यू. मिलर मॉडल पर आधारित इस योजना के अनेक उद्देश्य थे –न्याय पर आधारित समाज प्रणाली ,उत्पादकता को बढ़ाना एवं रोजगार के अवसर जुटाना , तकनीकी विकास आदि। इसका लक्ष्य GDP में 5% विकास था , परंतु इसने 6.02% विकास किया।

योजना अवकाश (1990 - 92 ई०) : इस अवकाश में एक एक वर्ष की योजनाएं बनी जिसका प्रमुख कारण राजनीति की अस्थिरता था।

आठवी पंचवर्षीय योजना (1992 - 97 ई०) :

मानव विकास ही इस योजना का मुख्य तत्व था इसलिए इस योजना में **मानव संसाधन का विकास** को प्राथमिकता दी गई। यह एक सफल योजना थी। इसी योजना के तहत **राष्ट्रीय महिला कोष** 1993 में की गई। इस योजना में 15 से 35 वर्ष के निरक्षर लोगों को पढ़ाया गया।

नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997 - 2002 ई०) :

इसका उद्देश्य **सभी का एकसमान विकास एवं न्यायपूर्ण वितरण** था। यह योजना अपने लक्ष्य तक पहुंचने में थोड़ी सी ही असफल रही जिसका कारण अंतरराष्ट्रीय मंदी को माना जाता है। इस योजना में विदेशी ऋण को कम करने का प्रयास किया गया एवं खाद्य पदार्थ में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया।

दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002 - 2007 ई०) :

इसका उद्देश्य भी **गरीबी और बेरोजगारी का उन्मूलन** था। इसमें GDP में 8% की बढ़ोतरी का लक्ष्य था परंतु योजना के अंत तक 7.5% की बढ़ोतरी हुई। इस योजना के दौरान यह लक्ष्य भी रखा गया की अगले 10 वर्षों में प्रतिव्यक्ति आय को दोगुना कर दिया जाए। यह अब तक की सबसे सफल योजना रही।

ग्यारहवी पंचवर्षीय योजना (2007 - 2012 ई०) :

इस योजना की थीम **अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा** थी। इसका मुख्य लक्ष्य **तीव्रतम एवं समावेशी विकास** था। इस योजना के दौरान GDP में 8.3% की वृद्धि देखने को मिली। इस योजना में 10 वी योजना से भी अधिक की GDP की वृद्धि हुई।

English Grammar

Can, could, may, might, will, shall आदि का प्रयोग कभी भी main verb के रूप में नहीं होता। इसके विपरीत verb **Be (is, am, are, was, were)**, **Have (has, have, had)**, एवं **Do (do, does, did, done)** का प्रयोग **helping verb** तथा **main verb** दोनों जगह हो सकता है। **for example :**

1. I **have** gone so far. (Have as a helping verb)
2. I **have** a car. (Have as a main verb)

आज I और **we** के साथ भी **will** का use करने की मान्यता प्राप्त है और इसे गलत नहीं माना जाता, परंतु जब कोई प्रश्न आदि करना हो तो I और **We** के साथ **shall** का ही use होता है। **For example**

- (i) Shall I go ?
- (ii) Let's play a game together, shall we ?

May का use **more possibility** के लिए, तथा **Might** का use **less possibility** के लिए होता है। **for example :**

- (i) He **may** pass the exam with flying colors, as he worked so hard.
- (ii) Monika **might** grab her flight but she left home just ten minutes before the take off time.

Can का प्रयोग शक्ति, योग्यता, क्षमता आदि को दर्शाने के लिए करते हैं, वही **could** इसी की past form है। परंतु **can** का प्रयोग **दोस्ताना निवेदन** एवं **could** का प्रयोग **औपचारिक निवेदन** के लिए भी करते हैं। **For example :**

- (i) Can I drink your water ?
- (ii) Could I take customer support service ?

परंतु ध्यान रखने वाली बात यह है की **can** तथा **could** के कभी भी **Able to** अथवा **Unable to** का प्रयोग नहीं होता।

जब बात किसी ऐसी कल्पना की हो जो की पूर्णतया **impossible** है, तो वह पर **would** का प्रयोग किया जाता है। **For example :**

- (i) If I **were** the Spiderman, I **would** never use the elevator.

इस प्रकार के वाक्य में **was** का use बिल्कुल भी नहीं होता।

Tense से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें :

Simple Present एवं Simple Past में मुख्यतया **आदत (Habit)** का वर्णन होता है। **जैसे : #1.** स्वाति साइकिल से स्कूल जाती है। Swati goes to school by cycle. **#2.** मैं गर्मियों में रोज नहाता था। I bathed daily in summers.

जो कार्य खत्म हो चुका है वह **Simple Past (past indefinite)** में आता है, और जो कार्य अभी अभी हाल फिलाल में ही खत्म हुआ है वह **present perfect** में आता है। **For example : #1.** I **have done** my work.

#2. I **looked** at you in the mall.

कुछ verbs का use **continuous** में नहीं किया जा सकता अर्थात् उनके साथ कभी भी **ing** का use नहीं होता है। Mainly ऐसे verbs हमारे sense एवं भावनाओं आदि से जुड़े होते हैं। **जैसे :** smell, see, own, belong, hear, taste, agree आदि। **For example :**

- Gaurav **is owning** this house. (**wrong**)
- Gaurav **owns** this house. (**right**)

यदि किसी वाक्य में **since** के बाद simple past tense का use हो तो वाक्य में **since** से पहले **present perfect tense** का उसे होता है। **for example :**

1. He **haven't** studied **since** he got job.
2. She **may have** became successful **since** she worked so hard.

यदि किसी वाक्य के बीच में **before** or **after** आये तो **before** से पहले तथा **after** के बाद, **past perfect** का use करते हैं तथा वाक्य का शेष भाग simple past में होता है। इसे आप ऐसे भी समझ सकते हैं → **before के before एवं after के after past perfect**। **For example :**

अथवा आप इसे इस प्रकार भी समझ सकते हैं की वाक्य में दोनों कामों में से जो पहले हुआ होगा वह **past perfect** में होगा तथा जो बाद में हुआ वह **simple past** अर्थात् **past indefinite** में होगा। **जैसे :** उसके पंखा चलाने से पहले ही बिजली चली गई। इस वाक्य में दो कार्य हुए, 1. पंखा चलाया गया, 2. बिजली चली गई। इन दोनों में पहले बिजली गई बाद में पंखा चलाने का प्रयास किया गया। अब क्योंकि वाक्य पहले द्वारा जुड़ा है इसलिए इसमें **before** का use करेंगे। **The electricity had gone before he turned on the fan.**

इसी प्रकार , निम्न वाक्य को समझो , दोपहर के खाने के बाद मैं उससे मिला इसमें भी दो वाक्य है जिसमें पहले व्यक्ति ने खाना खाया , तथा बाद में वह मिला । इस प्रकार वाक्य का English translation होगा I met him after I had lunch.

इस प्रकार का एक combination हमें future tense में भी देखने को मिलता है। जैसे : जब तक मैं वहां पहुंचूंगा , फल वाला जा चुका होगा। इस वाक्य में दोनों कार्य भविष्य में होने हैं परंतु एक कार्य पहले होगा दूसरा बाद में। इस प्रकार के वाक्य में पहले होने वाले कार्य को **future perfect tense** में तथा बाद में खत्म होने वाले कार्य को present indefinite में बनाते हैं। उपयुक्त वाक्य का English translation इस प्रकार बनेगा

By the time I reach there, the fruit vendor will have gone. (Isn't that easy ?)

Passive Voice

जब कोई काम खुद न होकर उसे किया जाता है तथा जब कोई कार्य महत्वपूर्ण हो न की उसे करने वाला , तो इस प्रकार के sentences में active voice का use ना करके passive voice का use करना ज्यादा अच्छा होता है। जैसे :

1. He got arrested.
2. Iron ore is found in Orissa and Jharkhand.
3. The bank was robbed yesterday.
4. The Mona Lisa was painted by Leonardo da Vinci.

Active → Passive Rules :

हमेशा ध्यान रखे की Passive Voice के sentence में हमेशा verb की third form का use होता है , और last में **by subject** लगाते हैं यदि subject की भी importance हो तो। For example :

The Players play cricket in this stadium. → Cricket is played in this stadium.

He loves her. → She is loved by him.

- सभी **Indefinite** tense की helping verbs को **continuous** की helping verb में बदलते हैं। For example :

- (i) My father likes the Mangoes. → Mangoes **are** liked by my father.
- (ii) The thieves stole a lot of money. → A lot of money **was stolen** by the thieves.
- (iii) Someone helped me. → I was helped by someone.
- (iv) I will complete this work tomorrow. → This work **will be** completed tomorrow.
- (v) They may dig a hole in the field. → A hole **may be** dug by them in the field.

Continuous tense को passive में change करते समय helping verb के बाद **being** का use करते हैं। परंतु ध्यान रहे की केवल present continuous और past continuous को ही passive voice में बदला जा सकता है। Future continuous और modal continuous (may be , need to be , etc.) , को नहीं। **For example :**

- (i) I am cleaning my home. → My home **is being** cleaned by me.
- (ii) Someone was laughing at them. → They **were being** laughed at by someone.
- (iii) My mom is cooking something special for me today. → Something special for me **is being** cooked by my mom today.
- (iv) A stranger was clicking your pictures. → Your pictures **were being** clicked by a stranger.

Perfect tense को निम्न प्रकार से change करते हैं : **has , have , had , will have , shall have , modal have** , सभी के बाद **been** लगाना है। परंतु यह ध्यान रहे की helping verb हमेशा subject के अनुसार ही लगती है और passive voice में object ही subject होता है। **For example :**

- (i) I have done my work. → My work **has been** done by me.
- (ii) They had read this book. → This book **had been** read by them.
- (iii) She will have replied to your message soon. → Your message will have been replied to by her soon.

Sentences में ध्यान रहे की **to , at , in , with , etc.** यदि किसी verb के बाद आए तो इन **fixed prepositions** को verb के बाद ही **fixed** रखना है।

यदि sentences interrogative हैं तब उन्हें भी same rules के साथ ही बनाना है बस ध्यान रहे की वाक्य का भाव प्रश्नवाचक ही रहे। For example :

- (i) Have you finished your food ? → Has your food been finished ?
- (ii) What will you do after high-school ? → What will be done after high-school ?
- (iii) Where did you find this amazing recipe ? → Where was this amazing recipe found by you ?

परंतु **who** तथा **whom** के साथ उपर्युक्त नियम लागू नहीं होते। **who** को सामान्यतः **by whom** में change कर दिया जाता है तथा इसके विपरीत **whom** को **who** में change कर देते हैं। For example :

- (i) Who take your book ? → By whom is your book taken ?
- (ii) Who washed my clothes ? → By whom were my clothes washed ?

(iii) Whom had they called great ? → Who had been called great by them ?

Imperative sentences में यदि object दिया है तो passive बनाते समय **Let** का तथा **be** use करते हैं। e.g. : Close the window. → Let the window be closed.

यदि object नहीं दिया है तो वाक्य के भाव के अनुसार **ordered** , **requested** , आदि का use करते हैं। e.g. : Get out. → You are ordered to get out.

यदि वाक्य में कोई नैतिक सलाह (moral suggestion) दी जाए तो passive में **should + be** का use करते हैं। e.g. : Feed the poor. → The poor **should be** fed.




जब sentence में **taste** , **smell** इत्यादि की बात हो तो उसे निम्न प्रकार passive में change करते हैं -

- (i) Mangoes tastes sweet. → Mangoes are sweet when they are tasted.
- (ii) The room smells bad. → The room is bad when it is smelt.
- (iii) Your hair feel soft. → Your hair are soft when they are felt.

यदि sentence में **infinitive** अथवा कोई **forced action** अर्थात् **to + verb** आये तो passive में **to** के बाद **be** लगाना चाहिए। e.g.

- (i) You are to read it loudly. → It is **to be** read loudly.
- (ii) I have to finish this task. → This task has **to be** finished by me.

Direct and Indirect Narration

1 st person	2 nd person	3 rd person
The narrator talks about themselves.	The narrator talks to the reader directly.	The narrator talks about other people.
I me my we our us mine	you your yourself	he she it they their
		

यदि कोई **universal truth** , **historical fact** इत्यादि आए तो उसको direct एवं indirect में वैसे के वैसे ही **use** किया जाता है। Inverted commas से बाहर लिखे part को **reporting verb** तथा अंदर लिखे part को **reported speech** कहते हैं। इस प्रकार यदि **reporting verb** present या future में हो तो **reported speech** के tense में कोई परिवर्तन नहीं करते। जैसे :

- **Direct** : He says to me, "They **are** beautiful."
- Indirect** : He tells me they **are** beautiful.

उपर्युक्त वाक्य में जैसे आपने देखा की says to को tells में बदल दिया गया। इस प्रकार कुछ changes किए जाते हैं **reporting verb** में जो कि इस प्रकार है :

Say/Says → Say/Says

Say to/Says to → Tell/Tells

Said → Said

Said to → Told

First Person को **Subject** के अनुसार, **Second Person** को **object** के अनुसार तथा **third person** में कोई change नहीं करते। परंतु किसी sentence को **direct** से **Indirect** में परिवर्तित करने का सबसे अच्छा तरीका है की वाक्य को आराम से हिंदी में change करो तथा फिर उसे हिंदी में ही अपने शब्दों में बोलो तथा अंत में उसको English में translate कर दो।

जब reporting verb **past** में हो तो उसमें निम्न प्रकार परिवर्तन किए जाते हैं :

- **Simple Present** को **Simple Past (is/am/are)** में तथा **Simple Past (was/were)** को **Past Perfect continuous (had been)** में। e.g.

Direct : He said, "I **am** an introvert."

Indirect : He said that he **was** an introvert.

Direct : They said to me, "You were very shy in childhood."

Indirect : They told me that I had been very shy in childhood.

- **Present Indefinite को past indefinite में तथा Past indefinite को Past Perfect में change करते हैं और Past Perfect में कोई change नहीं होता। For example :**

1. **Direct :** John said, "I work as a teacher."

Indirect : John said that he worked as a teacher.

2. **Direct :** Maria said, "I watched a movie last night."

Indirect : Maria said that she had watched a movie the previous night.

3. **Direct :** Samuel said, "I had already finished my homework before I went to bed."

Indirect : Samuel said that he had already finished his homework before he went to bed.

4. **Direct :** The teacher said to me, "You missed the class yesterday."

Indirect : The teacher told me that I had missed the class yesterday.

- **Present continuous को Past continuous में तथा Past continuous को Past perfect continuous में change करते हैं एवं Past perfect continuous में कोई change नहीं होता। For example :**

1. **Direct :** Kamal said, "It's raining in the north east India."

Indirect : Kamal said that it was raining in the north east India.

2. **Direct :** I said to him, "He was sleeping that time."

Indirect : I told him that he had been sleeping that time.

3. **Direct :** She said to me, "You had been waiting for me since evening."

Indirect : She told me that I had been waiting for her since evening.

- **Present Perfect को past perfect में तथा present perfect continuous को past perfect continuous में change करते हैं। For example :**

1. **Direct :** Radha said to him, "You have completed your work."

Indirect : Radha told him that he had completed his work.

2. **Direct :** My lawyer said to me, "You have been delaying your income tax documents since time unknown."

Indirect : My lawyer told me that I had been delaying my income tax documents since time unknown.

Will → Would , Shall → should , may → might , can → could

Today → that day , tomorrow → the next day , yesterday → the previous day , tonight → that night , last → the previous , here → there , now → then , this → that , these → those , ago → before

Some examples you should read :-

1. **Direct :** John said to me, "I will go to my office tomorrow."

Indirect : John told me that he would go to his office the next day.

2. **Direct :** My parents said, "You can take your own decisions now."

Indirect : My parents told me that I could take my own decisions then.

3. **Direct :** Someone said, "Honesty is the best policy."

Indirect : Someone said that honesty is the best policy.

4. **Direct :** Tom said, "I haven't gone to college till now but I'm thinking to go this year."

Indirect : Tom said that he hadn't gone to college till then but he was thinking to go that year.

Interrogative sentence यदि हां नहीं वाला हो तो सेंटेंस में conjunction that के स्थान पर if या whether का use करते हैं। परंतु यदि sentence wh type का हो तो conjunction that के स्थान पर वही same

wh word लगाते हैं, लेकिन sentence की formation assertive हो जाती है , अर्थात वह कोई interrogative sentence नहीं रहता। Said to को asked में बदल देते हैं। For example :

1. **Direct** : She said to me, "Are you coming ?"
Indirect : She asked me whether I was coming.
2. **Direct** : Ram said to nature, "Have you seen my wife ? "
Indirect : Ram asked nature if it had seen his wife.
3. **Direct** : Alan said to her, "Why are you not sitting here ?"
Indirect : Alan asked her why she was not sitting there.
4. **Direct** : My grandpa told me, "What do you want ?"
Indirect : My grandpa asked me what I wanted.

Imperative sentences में said to को ordered , requested , suggested , forbade आदि में sentence के भाव के अनुसार बदलते हैं। Conjunction to का use करते हैं तथा to के बाद verb की first form का use करते हैं। For example :

1. **Direct** : She said to me, "Please leave me alone for some time."
Indirect : She requested me to leave her alone for some time.
2. **Direct** : The captain said to the soldiers, "Stand at ease."
Indirect : The captain commanded the soldiers to stand at ease.

Exclamatory sentences में, Exclaimed with joy/sorrow/surprise/disgust आदि का use sentence के भाव के अनुसार होता है। For example :

1. **Direct** : They said, "Hurray ! India have won the World Cup."
Indirect : They exclaimed with joy that India has won the World Cup.
2. **Direct** : He said, " Bravo ! You have done well."
Indirect : He applauded him saying that he had done well.

Question Tag

कभी कभी हम अपनी बात बोलने के बाद सामने वाले की सहमति अथवा बोली गई बात पर उसके विचार जानने के लिए अंत में एक छोटा सा प्रश्न पूछ लेते हैं। जैसे :

पापा आज दिल्ली जा रहे हैं, हैना ? **अथवा** पापा आज दिल्ली जा रहे हैं, नहीं ?

इसी प्रकार English में,

They are playing outside, **aren't they ?**

इसी अंत में पूछे गए प्रश्न को **question Tag** कहते हैं।

Question Tag लगाने के rules :

1. **Sentence एवं Question Tag का tense same होता है,** बस यह ध्यान रहे की यदि sentence **positive** है तो **question Tag negative होगा,** लेकिन यदि sentence negative है तो question Tag **positive** होगा।
Ex. (I) He has done his work, hasn't he ?
(II) I do not like to go there, do I ?
2. **Question Tag में हमेशा pronoun का use होता है** चाहे subject noun हो या pronoun.
Ex. Ram is a doctor , isn't he ?
3. हमेशा contracted form का use होता है i.e. **don't , won't , didn't , hadn't , shan't etc.**
4. Everybody , everyone , each , every , no one , none , etc. वैसे तो singular होते हैं लेकिन **question Tag** में ये plural की तरह use होते हैं तथा question Tag में इनके साथ they का use होता है।
Ex. Everyone can sing , can't they ?

परंतु यदि something, nothing , anything आदि uncountable non living nouns का use हो तो question Tag में **singular verb** तथा **it** का use होता है।

For example :- Something is better than nothing, isn't it ?

5. **Most Important :** यदि collective noun किसी एक बात पर एक साथ सहमत हों तो sentence तथा question Tag में singular verb तथा subject आएगा लेकिन यदि collective noun divide हो रहे हो तो plural subject तथा verb आयेंगे। **For example :**

(a) The committee is United in its opinion, isn't it ?

(b) The board of directors are divided in their opinions, aren't they ?

6. कुछ words negative होते हैं, परंतु उनमें **not** छिपा होता है, जैसे **hardly , barely , seldom etc.** इनके question Tag positive होते हैं।
He hardly does exercise, does he ?

- **Can't you** बेसब्र अवस्था को दर्शाता है।

Shut up, can't you ?

- Let वाले sentences का question Tag **shall we** होता है।

Let's play card's for some time, shall we ?